UPHIN/2019/77630

अपराध व भ्रष्टाचार पर तीखी नज़र

आर्य चेतना न्यूज

www.aryachetana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार–पत्र

वर्ष– 09 अंक – 131
लखनऊ, रविवार 09 अगस्त 2026
मूल्य–1 रूपया पृष्ठ–08

पीएम मोदी से मिलने पहुंचे सीएम योगी, प्रधानमंत्री आवास पर हुई मुलाकात, बढ़ी सियासी हलचल

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ आज (शनिवार को) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी, प्रधानमंत्री से मिलने के लिए नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास गए, जहां दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। सीएम योगी, पीएम मोदी से मिलने क्यों पहुंचे हैं और क्या बात हुई है, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मीटिंग में यूपी से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा! बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ और पीएम मोदी के बीच हुई इस मीटिंग

को यूपी से जुड़े कई अहम मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात में किन–किन मसलों पर विस्तृत चर्चा हुई, इसकी ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है। विकास कार्यों की जानकारी दे सकते हैं सीएम योगी सूत्रों के अनुसार, मीटिंग में यूपी के डेवलपमेंट से जुड़े प्रमुख प्रोजेक्ट्स और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हो सकती है। सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री को उत्तर प्रदेश में सरकार की तरफ से किए जा रहे विकास कार्यों और तमाम योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी दे सकते हैं। निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बातचीत की उम्मीद साथ ही, यूपी की कानून–व्यवस्था, इन्वेस्टमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार से जुड़े मुद्दे भी मीटिंग के एजेंडे में शामिल हो सकते हैं। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समन्वय से जुड़े विषयों पर भी पीएम मोदी और सीएम योगी के बीच बातचीत हो सकती है। इससे पहले जून महीने में ब्ड योगी आदित्यनाथ ने च्ड मोदी को चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुशासन, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण को समर्पित 12 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख किया था। केंद्र सरकार के समन्वय में कार्य कर रही यूपी सरकार गौरतलब है कि यह मीटिंग ऐसे वक्त में हुई है जब यूपी में कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है और उत्तर प्रदेश सरकार आगामी योजनाओं को लेकर लगातार केंद्र सरकार के साथ समन्वय में काम कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के बीच इससे पहले भी अलग–अलग मौकों पर मुलाकात होती रही है। मीटिंग के एजेंडे पर जल्द साफ होगी तस्वीर हालांकि, बैठक के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के आगे के प्रोग्राम को लेकर भी नजरें बनी हुई हैं। उम्मीद है कि मुलाकात में हुई चर्चा के आधार पर आगामी दिनों में यूपी से जुड़े कुछ अहम फैसले या घोषणाएं सामने आ सकती हैं। फिलहाल, पीएम आवास पर हुई इस मीटिंग को लेकर आधिकारिक बयान का इंतजार है, जिसके बाद मीटिंग के एजेंडे और चर्चा के प्रमुख बिंदुओं को लेकर तस्वीर और साफ हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

भागवत का बड़ा बयान, विश्वगुरु बनने के लिए वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी

एजेंसी

बुलढाणा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश को असल मायने में विश्वगुरु बनाने के लिए वंचित और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मुख्यधारा में लाना जरूरी है। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के खामगांव में पारधी समुदाय के आवासीय विद्यालय में तीन खेल मैदानों का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस समुदाय को आज हम गैर अधिसूचित या भटके–विमुक्त समुदाय कहते हैं, वह कभी ज्ञान देने वाला समुदाय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि वे निस्वार्थ भाव से अपना ज्ञान बांटने के लिए बाहर जाते थे, लेकिन समय के साथ वे हाशिए पर चले गए।

अमेरिकी शुल्क विधेयक पारित होने पर केजरीवाल का हमला, मोदी सरकार से पूछा सवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार द्वारा किए जाने वाले हर फैसले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हस्तक्षेप देखा जा सकता है। केजरीवाल का यह बयान अमेरिकी सीनेट द्वारा उस विधेयक के पारित किए जाने के बाद आया है जो रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत सहित पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की अनुमति देता है। विधेयक में दावा किया गया है कि रूस के साथ इस प्रकार का व्यापार यूक्रेन युद्ध को जारी रखने में मदद कर रहा है।

राघव चड्ढा की पीएम मोदी से मुलाकात, पंजाब चुनाव से पहले मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी? बढ़ी सियासी हलचल

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) से भाजपा में आए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बैठक

के बाद चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री के साथ तस्वीरें साझा कीं और मुलाकात को 'यादगार सुबह' बताया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई। राघव चड्ढा ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर कहा कि उन्हें उनके साथ विस्तृत और ज्ञानवर्धक चर्चा करने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री के समय, मार्गदर्शन और अनुभव के लिए आभार जताया। मुलाकात के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले इस मुलाकात ने राजनीतिक चर्चाओं को जरूर तेज कर दिया है।चड्ढा की राजनीतिक सक्रियता और पंजाब से उनके संबंधों को देखते हुए अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा उन्हें राज्य में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने की तैयारी कर रही है। हालांकि, फिलहाल पार्टी की ओर से ऐसी किसी संभावित जिम्मेदारी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा या संकेत नहीं दिया गया है। राघव चड्ढा का नाम उस समय भी चर्चा में आया था, जब पंजाब से आम आदमी पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों के भाजपा के साथ आने की राजनीतिक कवायद हुई। प्रधानमंत्री से उनकी ताजा मुलाकात को इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। कुछ दिन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा सांसदों के साथ मुलाकात की थी। उस दौरान राघव चड्ढा और आप से भाजपा में आए अन्य सांसदों की मुलाकात भी हुई थी। ऐसे में शनिवार की बैठक ने पंजाब की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दिया है। राघव चड्ढा ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन उस समय पंजाब की राजनीति में उनका प्रभाव काफी चर्चा में रहा। उन्हें पार्टी के रणनीतिकारों में प्रमुख चेहरों में गिना जाता था। अब राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद चड्ढा भाजपा के राज्यसभा सांसद हैं। ऐसे में पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनके अनुभव और राज्य में राजनीतिक पकड़ का भाजपा किस तरह इस्तेमाल करती है, इस पर नजर बनी हुई है। राघव चड्ढा की मुलाकात से पहले शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चाएं शुरू हुईं। इन घटनाक्रमों के बीच चड्ढा की प्रधानमंत्री से मुलाकात ने पंजाब के आगामी चुनाव को लेकर सियासी अटकलों को और हवा दे दी है। फिलहाल भाजपा की ओर से राघव चड्ढा को पंजाब में कोई नई जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में पार्टी की रणनीति और चड्ढा की भूमिका पर सबकी नजर रहेगी।

पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली में बेटियों की कम भागीदारी पर जताई चिंता, पदकों का किया जिक्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी इच्छा है कि आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में पदक और पुरस्कार पाने वालों में लड़कियां भी शामिल हों। उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने में महिलाओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, क्योंकि आप सिर्फ एक डिग्री नहीं ले रहे हैंय आप देश के लिए बहुत कुछ करने के सपने लेकर यहां से जा रहे हैं। अपनी उपलब्धियों के लिए पदक और पुरस्कार पाने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, अगर एक–दो बेटियां भी होतीं तो और भी अच्छा होता। माफ कीजिए। सिर्फ एक–दो क्यों? उनकी संख्या और ज्यादा होनी चाहिए थी। पढ़ाई–लिखाई में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने मेधावी छात्रों को संस्थान के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए, जिनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्णपदक शामिल थे। समारोह के दौरान 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से ज्यादा स्नातकों को डिग्री प्रदान की गयी। प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित एआई–संचालित उच्च–प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग सुविधा श्परम प्रज्ञाश का भी उद्घाटन किया। उम्मीद है कि यह अत्याधुनिक सुविधा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा साइंस, उन्नत कंप्यूटिंग और अंत:विषय अनुसंधान क्षमताओं के क्षेत्रों में संस्थान की क्षमताओं को काफी बढ़ाएगी।

सीमा से एक किमी तक अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं नहीं लगेंगी, गृह मंत्रालय का फैसला

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिशानिर्देश जारी कर नियंत्रण रेखा, वास्तविक नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में सौर, पवन और हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा की किसी भी नयी परियोजना पर रोक लगा दी है। मंत्रालय के आंतरिक सुरक्षा प्रभाग की ओर से जारी दिशानिर्देशों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने

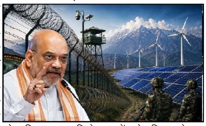

वाले देशों, विशेष रूप से पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन के इंजीनियरों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों को केंद्र सरकार की अनुमति के बिना नियुक्त करने पर भी रोक लगाई गई है। दिशानिर्देशों के तहत नियंत्रण रेखा (एलओसी), वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) या अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर के दायरे वाले क्षेत्रों को संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय सीमा से 20 किलोमीटर तक का क्षेत्र भी शामिल है, जहां परियोजना के लिए रक्षा मंत्रालय से अलग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेना होगा। इन दिशानिर्देशों के तहत जिन परियोजनाओं के लिए दोबारा आवेदन करना होगा, उन पर भी ये प्रावधान लागू होंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा मंजूरी से संबंधित दिशानिर्देशों में कहा गया है, 50 किलोमीटर के दायरे में सभी सौर, पवन और हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं के लिए गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना जरूरी होगा। एक किलोमीटर के दायरे में कड़ी पाबंदी रहेगी और वहां परियोजना से जुड़ी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है, एक से 50 किलोमीटर के दायरे में प्रस्तावित परियोजनाओं को सुरक्षा मंजूरी देने या एक से 20 किलोमीटर के दायरे में अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने पर गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय प्रत्येक मामले के आधार पर फैसला करेंगे। दिशानिर्देशों के अनुसार, आवेदक गृह मंत्रालय की सुरक्षा मंजूरी समेत केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना किसी विदेशी कंपनी को जमीन हस्तांतरित नहीं कर सकेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में विभिन्न सौर, पवन और हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की उपयुक्तता से संबंधित आवेदनों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ये दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी परियोजनाओं के राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ने की आशंका हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में तेज हुई कार्रवाई, अगले महीने के अंत तक आएगा आरोपपत्र

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने शनिवार को कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के मामले की जांच 90 दिन के भीतर पूरी कर सितंबर के अंत तक अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा। ग्रोवर ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा विशेष जांच दल अलग से कोई जांच नहीं कर रहा है, बल्कि वह पुलिस की जांच में समन्वय स्थापित करने के साथ उच्च मानकों के अनुरूप जांच के लिए सलाहकार की भूमिका निभा रहा है। इस जांच दल के अध्यक्ष लखनऊ के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस हैं, जिन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में पांच वर्ष काम करने का अनुभव है। उन्होंने कहा कि एसआईटी के समन्वय से जांच आगे बढ़ रही है और जांच दल ने मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच पूरी कर ली है। ग्रोवर ने कहा कि वह स्थानीय स्तर पर की जा रही जांच की लगातार निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक परामर्श भी दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 27 जुलाई को उच्चतम न्यायालय को बताया था कि उसने राम मंदिर के चढ़ावा की चोरी की जांच के लिए आईजी किरण एस के नेतृत्व में चार सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से एसआईटी में पांचवें सदस्य

के तौर पर एक लेखा–परीक्षक को शामिल करने को कहा था, जो दो सप्ताह के भीतर अपनी पहली स्थिति रिपोर्ट सौंपेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया। मेहता ने न्यायालय को बताया था कि शीर्ष अदालत के सुझाव के बाद 25 जुलाई को जारी अधिसूचना के माध्यम से एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी में पुलिस उपमहानिरीक्षक स्तर के अधिकारी के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक भी शामिल होंगे। इससे पहले 20 जुलाई को पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि वह चढ़ावे की चोरी के मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की संभावना के बारे में जानकारी दे। इस बीच, मंदिर से जुड़े सूत्रों के अनुसार राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के मामले में अब तक किसी बड़े जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए थे। चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में 25 जून को अयोध्या के राम जन्मभूमि थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जांच अधिकारी एवं अयोध्या के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आशुतोष तिवारी ने कहा कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर दस्तावेजों को अद्यतन किया जा रहा है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका मिश्रा ने कहा कि बार चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी में इन तीनों के नाम शामिल नहीं किए गए, तो वे जल्द ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख करेंगे।

अकाली दल का बड़ा ऐलान, महिला आरक्षण और परिसीमन बिल का करेगा समर्थन, भाजपा से गठबंधन के संकेत तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच संभावित नजदीकी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अकाली दल ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े प्रस्तावों का समर्थन करने का ऐलान किया है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की बैठक में क्या बातचीत हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन इसके बाद पंजाब के राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें बढ़ गई हैं। अकाली दल की ओर से महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों के समर्थन का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकार इसे केंद्र की भाजपा सरकार के साथ पार्टी के बदलते संबंधों के संकेत के तौर पर देख रहे हैं। हालांकि, अकाली दल और भाजपा दोनों ने अभी तक आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर किसी गठबंधन की औपचारिक घोषणा नहीं की है। सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी की हालिया मुलाकात के बाद गठबंधन की संभावनाओं को लेकर चर्चा इसलिए भी तेज हुई है क्योंकि दोनों दल लंबे समय तक पंजाब में एक साथ चुनाव लड़ते रहे हैं। भाजपा और अकाली दल के बीच करीब दो दशक से अधिक समय तक राजनीतिक गठबंधन रहा। हालांकि, कृषि कानूनों को लेकर मतभेद के बाद 2020 में अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला किया था।

इसके बाद दोनों दलों ने अलग–अलग चुनाव लड़े। अब पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच मुकाबले के बीच भाजपा और अकाली दल के दोबारा करीब आने की संभावना को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दोनों पार्टियों के सामने राज्य में अपने राजनीतिक प्रभाव को मजबूत करने की चुनौती है। लोकसभा में अकाली दल के पास फिलहाल सीमित प्रतिनिधित्व है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की संख्या भले ही बड़ी न हो, लेकिन पंजाब में उसका पारंपरिक जनाधार महत्वपूर्ण माना जाता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और सिख मतदाताओं के बीच अकाली दल की राजनीतिक पकड़ रही है। दूसरी ओर भाजपा का प्रभाव पंजाब के शहरी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत मजबूत माना जाता है। ऐसे में दोनों दलों का संभावित गठबंधन ग्रामीण और शहरी वोट बैंक के बीच राजनीतिक तालमेल बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

पाकिस्तानी एजेंट के जाल में फंसा वायुसेना अधिकारी, सैन्य जानकारी साझा करने पर गिरफ्तारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक सेवारत अधिकारी को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंट के मोहपाश (हनी ट्रैप) में फंसने के बाद कथित तौर पर सैन्य जानकारी साझा करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी और कहा कि भारतीय वायुसेना की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी महिला एजेंट ने आरोपी अधिकारी को सोशल मीडिया के जरिये अपने जाल में फंसाया था। पुलिस ने एक बयान में कहा कि अधिकारी के खिलाफ शासकीय गोपनीयता अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे 30 मई को गिरफ्तार किया गया तथा जांच पूरी होने के बाद 30 जुलाई को सक्षम

अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया। बयान में कहा गया, भारतीय वायुसेना के प्राधिकारियों की शिकायत के आधार पर वायुसेना के एक सेवारत अधिकारी को एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के मोहपाश में फंसने के आरोप में 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अधिकारी ने कथित तौर पर सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी साझा की थी। यह जांच जासूसी के एक संदिग्ध नेटवर्क से जुड़ी है, जिसमें आरोपी अधिकारी से सोशल मीडिया के माध्यम से एक महिला ने कथित तौर पर संपर्क किया था। सूत्रों के अनुसार, महिला ने अधिकारी से संपर्क स्थापित करने के बाद वीडियो कॉल और अन्य डिजिटल माध्यमों से उससे बातचीत की।

भोलेनाथ के भक्तों पर सीएम ने की श्रध्दा की पुष्पवर्षा

मुख्यमंत्री ने मेरठ में कांवड़ यात्रियों का अभिनंदन कर आस्था को दिया सम्मान, हेलिकॉप्टर से किया कांवड़ मार्ग का अवलोकन

भक्ति, समर्पण, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता और समरसता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे शिवभक्त–योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की दशमी तिथि में भोलेबाबा के भक्तों पर श्रद्धा के पुष्प बरसाए। गोरक्षपीठाधीश्वर के साथ रामायण सीरियल में भगवान राम बने मेरठ के सांसद अरुण गोविल समेत जनप्रतिनिधियों ने आस्था को सम्मान देते हुए शिवभक्त कांवड़ यात्रियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। कांवड़ मार्ग पर हेलिकॉप्टर से भी शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। कांवड़ यात्रियों के 'हर–हर, बम–बम' के उद्घोष से पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा को भक्ति, समर्पण, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता और समरसता का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से शिवभक्त कांवड़ यात्रियों का स्वागत व अभिनंदन किया।आयोजन स्थल पर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलिकॉप्टर से कांवड़ यात्रा का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भोलेबाबा के भक्तों की श्रद्धा को नमन किया और प्रशासनिक अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों की नियमित सुरक्षा, सम्मान, सुविधा आदि की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।पवित्र गंगाजल लेकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने निकले कांवड़ यात्रियों द्वारा हर–हर बम–बम की गूंज से समूचा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोले के भक्तों पर पुष्पवर्षा कर उन्हें अहसास कराया कि यह आस्था का सम्मान करने वाली सरकार है। कांवड़ यात्रा में निकली झांकी में 'बाबा के गण' विभिन्न स्वरूपों में भोले की मस्ती में डूबे दिखे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि श्रावण मास में पावन कांवड़ यात्रा अपने चरम की ओर बढ़ रही है। शिवभक्त कांवड़ यात्री हरिद्वार में हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक करने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इस अभियान से लाखों शिवभक्त जुड़े हैं। आशा है कि गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच चार–साढ़े चार करोड़ शिवभक्त सावन की शिवरात्रि तक इस कांवड़ यात्रा के संग गंगाजल लेकर पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

मुजफ्फरनगर के शिवचौक में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। जनप्रतिनिधियों संग कांवड़यात्रियों पर पुष्पवर्षा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर, गाजियाबाद में बाबा दूधेश्वर नाथ मंदिर, बागपत में पुरा महादेव मंदिर के साथ ही दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के भी लाखों शिवभक्त श्रद्धा व उत्साहवर्धन के साथ कांवड़ यात्रा का हिस्सा बने हैं। इस दौरान मेरठ के सांसद अरुण गोविल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश सरकार के मंत्री सोमेंद्र तोमर, दिनेश खटिक, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, विधान परिषद सदस्य अश्विनी त्यागी, पूर्व विधायक संगीत सोम, भाजपा नेता सुनील भराला आदि मौजूद रहे।

डंपर ने मिड–डे मील ले जा रहे छोटा हाथी को टक्कर मारी, सहायक घायल

संवाददाता

लखनऊ। रिंग रोड पर शनिवार सुबह एक डंपर ने मिड–डे मील ले जा रहे छोटा हाथी वाहन को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना काकोरी थाना क्षेत्र के चिलौली अंडरपास के ऊपर करीब 8 बजे हुई। टक्कर लगने पर छोटा हाथी वाहन पलट गया, जिससे उसमें रखा मिड–डे मील और उसके बर्तन सड़क पर बिखर गए। हादसे में छोटा हाथी वाहन का सहायक राहुल (35) निवासी गद्दीमनखेड़ा थाना सरोजनीनगर घायल हो गया। उसे तुरंत एंबुलेंस की मदद से टीएस मिश्रा अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में अन्य किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि डंपर (संख्या यूपी 79 एटी 7688) महोबा से लखीमपुर खीरी जा रहा था, जिसे सीतापुर निवासी सतीश कुमार (40) चला रहे थे। वहीं, मिड–डे मील ले जा रहा छोटा हाथी (संख्या यूपी 32 एलएन 0585) अमौसी से बख्शी का तालाब की ओर जा रहा था। चिलौली अंडरपास के ऊपर डंपर ने छोटा हाथी में पीछे से टक्कर मारी थी। दुर्घटना के कारण सड़क पर मिड–डे मील के बर्तन और ड्रम बिखर गए,

जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क को साफ कराया। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को रिंग रोड से हटाकर सर्विस रोड के किनारे खड़ा किया गया है। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डंपर के ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज मेरी कर्मभूमि, जनता का आशीर्वाद मेरा बल-केशव

उपमुख्यमंत्री ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को समाधान के निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज प्रयागराज सर्किट हाउस में जनता दर्शन में नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। जनता दर्शन के दौरान वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, छात्रवृत्ति, मार्ग चौड़ीकरण एवं निर्माण, इलाज के लिए आर्थिक सहायता, मंदिर में सोलर लाइट की व्यवस्था सहित विभिन्न जनसमस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गईं। श्री मौर्य ने प्रत्येक फरियादी की बात को ध्यानपूर्वक सुना तथा अधिकारियों को तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में लापरवाही अथवा विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया जाए। पेंशन, छात्रवृत्ति, उपचार सहायता तथा अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित मामलों में पात्रता के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। डबल इंजन की भाजपा सरकार आमजन की सरकार है। सरकार जनता की

समस्याओं को सुनती भी है और उनके समाधान के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य भी करती है। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण का लाभ पहुंचाना है। गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा, विद्यार्थी एवं बुजुर्ग सहित प्रत्येक वर्ग के हितों की चिंता सरकार कर रही है।बोले,प्रयागराज मेरी कर्मभूमि है। यहां की जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। प्रयागराज की जनता के आशीर्वाद से ही मैं आज इस स्थान पर हूं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निर्मला पासवान जिलाध्यक्ष भाजपा गंगापार के आवास पहुंचकर परिवारजनों एवं क्षेत्र की जनता से भेंट की।

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी हर माह विद्यार्थियों से करेंगे संवाद

इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रदान करेंगे मार्गदर्शन

अपर मुख्य सचिव ने दिए अनुश्रवण के निर्देश, मंडलायुक्त कार्यक्रमों की करेंगे समीक्षा

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास, उनकी क्षमताओं के समुचित उपयोग और उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार एवं उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। इसके तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा एवं भारतीय वन सेवा के युवा अधिकारी इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद कर उन्हें प्रेरित करेंगे और करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा को प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्तों को निर्देशित किया गया है कि वे उक्त कार्यक्रम की समय–समय पर अपने स्तर पर समीक्षा करें। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश, समस्त मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक तथा समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों को भी निर्देश जारी किए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षकों से अपेक्षा की गई है कि वे संबंधित विद्यालयों

को कार्यक्रम के संबंध में अपने स्तर से अवगत कराएं। मुख्य सचिव की ओर से सभी जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक जिले में तैनात आईएएस, आईपीएस, और आईएफएस के युवा अधिकारी हर माह कम से कम एक इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालय का भ्रमण कर विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करें। कार्यक्रमों में सहभागितापूर्ण चर्चा और प्रश्नोत्तर को प्राथमिकता दी जाएगी। यूपीएससी, यूपीपीएससी, यूपीएसएसएससी, एएससी, एनडीए, जेईई, नीट और सीयूईटी समेत राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षाओं तथा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में भी विद्यार्थियों को जानकारी और मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, उद्यमिता और स्टार्टअप से जुड़े अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। इसके अलावा केंद्र एवं राज्य सरकार की युवाओं से संबंधित प्रमुख योजनाओं से उन्हें अवगत कराया जाएगा। संवाद के दायरे को व्यापक रखते हुए वित्तीय कौशल, संचार कौशल, व्यापार प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति एवं तनाव प्रबंधन तथा आत्मविश्वास विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी इसमें शामिल किया है। जिलाधिकारी प्रत्येक माह इन कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिले में तैनात सभी युवा अधिकारी मनोयोग से इस पहल में भाग लें। प्रत्येक जिले को आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण तैयार कर प्रत्येक माह की5 तारीख तक शासन के माध्यमिक शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराना होगा।

व्यापारी के घर चोरी करने और परिवार को अधमरा करने वाले दो चोर गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। इंदिरानगर के अमराई गांव में व्यापारी के घर में चोरी करने और परिवार को मारपीट कर अधमरा करने वाले 2 चोर 15 दिन बाद गिरफ्तार हो गए हैं। शनिवार को एडीसीपी पूर्वी अमोल मुरकुट ने अपने कार्यालय में इस घटना का खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि अभी 2 अन्य चोरों की तलाश की जा रही है। उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एडीसीपी ने बताया दीपक गुप्ता ने 25 जुलाई को इंदिरानगर थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि दो अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार कूदकर अंदर घुसे। चोरी के प्रयास के दौरान उनकी मां शांति देवी, पिता उमेश चंद्र गुप्ता और बहन सीमा गुप्ता के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शुक्रवार देर रात मानस तिराहा स्थित पार्क के पास से गिरफ्तार किया। दोनों किसी घटना को अंजाम देने के इरादे से बैठे हुए थे। इनकी पहचान रामपुर मथुरा सीतापुर निवासी उदय राज और विनोद वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उनके दो साथी 23 जुलाई को उनसे मिलने आए थे। उन्होंने लखनऊ के बजरंग चौराहे के पास एक दुकान की रेकी करने की बात बताई थी। उन्हें पता चला था कि दुकान चलाने वाले वृद्ध दंपती के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसके बाद चारों ने खाली प्लॉट और निर्माणाधीन मकान के रास्ते घर में घुसने की साजिश रची। 24 जुलाई की रात करीब 10 बजे चारों मौके पर पहुंचे। रात में चहल–पहल कम

होने के बाद दो आरोपी बाहर निगरानी करने लगे, जबकि दो आरोपी छत पर चढ़कर पाइप के सहारे घर में उतर गए। घर में घुसे दोनों आरोपियों को कुछ देर बाद परिवार के जागने का अंदेशा हुआ। इसके बाद उन्होंने घरवालों पर डंडों से हमला कर दिया। परिवार के सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से उस रात लूट और मारपीट में इस्तेमाल करने वाला हथियार बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के चार सदस्यों ने पहले घर की रेकी की थी। दो आरोपी घर में घुसे, जबकि दो बाहर निगरानी कर रहे थे। व्यापारी उमेश चंद्र, उनकी पत्नी शांति और बेटी सीमा को इन लोगों ने चोरी का विरोध करने पर पीटकर लहूलुहान कर दिया था। पुलिस अब दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सैरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से हुआ। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, लेकिन चालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, सैरपुर थाना क्षेत्र के तरहिया गांव निवासी राम कृष्णा अपने साथी प्रदीप के साथ शनिवार को बाइक से जा रहा था। रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम कृष्णा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रदीप घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घायल प्रदीप को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। मृतक राम कृष्णा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक राम कृष्णा सैरपुर के तरहिया गांव में किराए के मकान में रहता था। उसके परिवार में लगभग तीन साल की एक बेटी है। बताया गया है कि उसकी पत्नी काफी समय से उसके साथ नहीं रहती थी। सैरपुर थाना प्रभारी मनोज कोरी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायल प्रदीप का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है, लेकिन उसका चालक अभी फरार है। पुलिस को तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मैनपुरी में बनेगा केंद्रीय विद्यालय, रंग लाया पर्यटन मंत्री का प्रयास

संवाददाता

लखनऊ। बहुत जल्द मैनपुरी को केंद्रीय विद्यालय का तोहफा मिलेगा। सरकार ने मैनपुरी में केंद्रीय विद्यालय बनाने के फैसले को मंजूरी दी है। इसके लिए मैनपुरी ब्लाक के नौनेर गांव में आवाश्यक जमीन का चिह्नांकन कराया गया है। चिह्नित जमीन का प्रस्ताव भेज दिया गया है। बजट जारी होते ही विद्यालय का निर्माण शुरू होगा। इसके अलावा नौनेर में ही वृहद गोशाला का निर्माण होगा और वाचनालय, ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह से मैनपुरी में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने की मांग की गई थी। पर्यटन मंत्री ने शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखा जिसके आधार पर राज्य सरकार से विद्यालय खोले जाने के लिए जमीन की डिमांड की गई। पर्यटन मंत्री के निर्देश पर डीएम डा. इंद्रमणि त्रिपाठी ने नौनेर गांव में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने के लिए पांच एकड़ से अधिक जमीन का चिह्नांकन कराया है। लोगों की डिमांड पर इसी गांव में एक बड़ी गोशाला, ऑडिटोरियम और लाइब्रेरी के लिए भी जमीन चिह्नित की गई है। इनके निर्माण के लिए प्रस्ताव भी बनाकर शासन को भेजे गए हैं। इन सभी प्रोजेक्ट के लिए 40 एकड़ जमीन चिह्नित कराई गई है। डीएम का कहना है कि जमीन का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

ऐश्वर्य राज सिंह बने रालोद के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल ने विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश संगठन की कमान युवा नेता एवं बस्ती के राजपरिवार से संबंध रखने वाले ऐश्वर्य राज सिंह के हाथ में सौंप दी है। आर एल डी नेतृत्व का यह निर्णय पूर्वांचल को साधने का कार्ड माना जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने आईटी सेल में काम कर चुके ऐश्वर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर नौजवानों एवं प्रबुद्ध लोगों के बीच अहम संदेश दिया है। ऐश्वर्य 2017 विधान सभा चुनाव में रालोद के टिकट पर बस्ती से चुनाव भी लड़ चुके हैं। रामाशीष राय ने पार्टी पर किसानों, नौजवानों एवं वंचितों की आवाज न उठाने का आरोप लगाकर प्रदेश अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था।पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिलोक त्यागी का कहना है कि ऐश्वर्य तकनीकी संपन्न और होनहार युवा चेहरा हैं, जिनसे पार्टी को काफी लाभ होगा।

इथेनॉल के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में शनिवार दोहपर सपा कार्यकर्ताओं ने इथेनॉल के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता हजरतगंज चौराहे पर पहुंचकर ई–20 इथेनॉल का विरोध करने लगे। हाथों में इथेनॉल के खिलाफ पोस्टर–बैनर लेकर पहुंचे थे। कुछ प्रदर्शनकारी पोस्टर रूपी कुर्ता पहने थे जिसपर गन्ना बना हुआ था। प्रदर्शनकारियों को पुलिस पकड़–पकड़कर बस में बैठाने लगी। इस दौरान जितने हल्के कार्यकर्ता थे, उन्हें एक–एक पुलिसकर्मी ने गोद में उठा लिया और जाकर बस में बैठा दिया। वहीं, दूसरे कार्यकर्ताओं को हाथ–पैर पकड़कर टांग लिया। सभी प्रदर्शनकारी सपा कार्यकर्ताओं को इको गार्डन भेज दिया गया। प्रदर्शन में शामिल लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज साहनी ने कहा कि इथेनॉल की वजह से गाड़ियों का माइलेज बेहद कम हो गया है। इसका सीधा असर आर्थिक रूप से कमजोर और छात्रों पर पड़ रहा है। यह बहुत बड़ी विडंबना है कि मौजूदा

सरकार का शुद्ध पेट्रोल भी नहीं दे रही है। माइलेज के साथ गाड़ियों के इंजन भी खराब हो रहे हैं। गाड़ी में कई तरह की टेक्निकल समस्या आ रही है। विभिन्न प्रकार की परेशानियों की वजह से आम आदमी की जेब पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। राम प्रकाश ने कहा कि यह सरकार जनता से जुड़े हर मुद्दे पर संवेदनहीन है। अभी तक आम आदमी पेट्रोल और डीजल की महंगे होने से परेशान था अब नई मुसीबत आ गई है। पहले हम लोग पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर संघर्ष कर रहे थे, आम जनता के हित में प्रदर्शन करते थे। अब हम सभी लोगों के सामने अपनी गाड़ियों को बचाने का संकट आ गया है। आज इथेनॉल के खिलाफ लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं अगर जरूरत पड़ी तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है सपा, अखिलेश के पीडीए दांव पर मायावती का तीखा हमला

संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए लगातार राजनीतिक रंग बदलती रही है। मायावती ने 'एक्स पर जारी सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि बसपा सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर अमल करने वाली सर्वसमाज हितैषी अंबेडकरवादी पार्टी है और उत्तर प्रदेश में 4 बार उसकी सरकार भी इसी आधार पर चली है। इसके विपरीत सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए गिरगिट की तरह रंग बदलती रहती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने कहा कि इसी क्रम में सपा द्वारा प्रचारित कथित पीडीए अर्थात पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक में पहले पी से पिछड़े का प्रचार करने के बाद अब अपर कास्ट समाज, खासकर ब्राह्मण समाज को बसपा से तेजी से जुड़ता देखकर और उसी आधार पर पार्टी उम्मीदवार बनाए जाने से विचलित होकर सपा ने पी से पंडित कर दिया है। बसपा अध्यक्ष ने इसे सपा के राजनीतिक छल और छलावे का एक और प्रमाण करार देते हुए सवाल किया कि आखिर इसे और क्या कहा जा सकता है। उन्होने कहा कि इस तरह के राजनीतिक छल और छलावे से किसी व्यक्ति विशेष का कुछ समय के लिए भला हो सकता है, लेकिन इससे पूरे समाज का कभी भला नहीं हो सकता। उन्होंने सर्वसमाज के लोगों को सपा और उसकी संकीर्ण जातिवादी राजनीति से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि यह समय की मांग भी है और सर्वसमाज के हित में भी है।

समधी से रिश्ता तोड़ने के बाद विधायक ज्ञान तिवारी ने दर्ज कराया मुकदमा

25 शादियों के आरोपों में घिरे अनुज त्रिवेदी पर सीतापुर जिले में दर्ज हुआ मुकदमा

दीपेन्द्र भदौरिया, ब्यूरो चीफ

सीतापुर। रेउसा थाना क्षेत्र में भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने अपनी बेटी के ससुर अनुज त्रिवेदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह धारा पुराने कानून की धारा 420 आईपीसी के समकक्ष है। बताया गया कि विधायक ज्ञान तिवारी ने करीब दो वर्ष पूर्व अपनी बेटी का विवाह अनुज त्रिवेदी के बेटे प्रखर त्रिवेदी से किया था। विधायक का आरोप है कि विवाह के समय अनुज त्रिवेदी ने स्वयं को रियल एस्टेट कारोबारी और स्कूल संचालक बताया था। करीब

दो दिन पहले विधायक ज्ञान तिवारी ने अपनी बेटी के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अनुज त्रिवेदी से समधी का रिश्ता खत्म करने की बात कही थी। अब उन्होंने रेउसा थाने पहुंचकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अनुज त्रिवेदी पर आरोप है कि उन्होंने मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों की महिलाओं से संपर्क कर 25 से अधिक शादियां कीं और कथित तौर पर ठगी की। इस मामले में महाराष्ट्र एसटीएफ द्वारा अनुज त्रिवेदी को नोएडा से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, मामले में उनके बेटे प्रखर त्रिवेदी की भूमिका है। बताया गया कि अनुज त्रिवेदी की कथित गतिविधियों से परेशान तीन महिलाएं उनके पैतृक गांव चंद्रावल, मिश्रिख पहुंची थीं और विरोध जताया था। इसके बाद महिलाएं सीतापुर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने एडीएम को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हुई कथित ठगी और धोखाधड़ी की शिकायत की थी। महिलाओं ने आरोपी की संपत्ति कुर्क किए जाने की मांग भी की थी। विधायक द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनुज त्रिवेदी और उनके बेटे प्रखर त्रिवेदी के जेल में बंद होने की बात सामने आई है। पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही लगाए गए आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

हमीरपुर। थाना मौदहा क्षेत्र अंतर्गत एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। खन्ना मार्ग पर मोटरसाइकिल सवार युवक की अचानक सामने आए सांड से भीषण टक्कर हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घमिली जानकारी के अनुसार, ग्राम गुरदहा थाना मौदहा निवासी विशाल कुमार शुक्रवार को अपनी मोटरसाइकिल से जनपद महोबा के थाना खन्ना क्षेत्र से वापस अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक सामने आए सांड से उनकी बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विशाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल विशाल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मौदहा में भर्ती कराया गया। हालांकि, अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मेमो के माध्यम से सूचना मिलते ही थाना मौदहा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

बाल श्रम व मानव तस्करी के खिलाफ संयुक्त अभियान तीन बाल श्रमिक कराए गए मुक्त

हमीरपुर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद के मौदहा व सुमेरपुर क्षेत्र में बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, बाल विवाह, मानव तस्करी रोकने और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस संयुक्त अभियान में एएचटीयू , स्थानीय थाना पुलिस, बाल कल्याण समिति , चाइल्ड हेल्पलाइन, श्रम विभाग और ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान की टीमों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान कस्बा मौदहा व सुमेरपुर के होटलों, ढाबों, ब्यूटी पार्लरों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन चेकिंग की गई। कार्रवाई के दौरान कस्बा सुमेरपुर से तीन बाल श्रमिकों को सुरक्षित मुक्त कराया गया और बाल श्रम कराने वाले संबंधित दुकानदारों के खिलाफ

नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई शुरू की गई। दुकानदारों और व्यापारियों को सख्त चेतावनी दी गई कि बच्चों से काम कराने पर कठोर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, टीम ने आमजन, महिलाओं, बालिकाओं और विद्यार्थियों को सुरक्षा संबंधी कानूनों तथा आपातकालीन नंबरोंकृ112 (पुलिस), 1090 (महिला हेल्पलाइन) और 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रति जागरूक किया। अभियान में वन स्टॉप सेंटर, हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, बाल संरक्षण इकाई और किशोर न्याय बोर्ड के अधिकारी–कर्मचारी भी शामिल रहे।

थाना समाधान दिवस में डीएम–एसपी ने सुनीं फरियादें, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ

सीतापुर (तम्बौर)। थाना समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से थाना तम्बौर पहुंचकर जनता की शिकायतें और समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। भूमि विवाद से संबंधित मामलों को लेकर डीएम और एसपी ने पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान कानून–व्यवस्था का विशेष ध्यान रखते हुए मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने और पीड़ितों को समय से उचित समाधान उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लहरपुर, प्रभारी निरीक्षक तम्बौर, स्थानीय राजस्व अधिकारी समेत पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

फिट पर्सन और फास्टर केयर मान्यता हेतु आवेदन आमंत्रित

हमीरपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण इकाई ने बताया कि बच्चों के संरक्षण, सही विकास और पुनर्वास के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने बताया कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अंतर्गत बच्चों को सुरक्षित एवं पारिवारिक माहौल प्रदान करने के लिए श्उपयुक्त व्यक्तिश (फिट पर्सन), उपयुक्त सुविधा (फिट फैसिलिटी), श्फास्टर केयरश तथा श्ग्रुप फास्टर केयरश के रूप में मान्यता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि घ्इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सहयोग से जरूरतमंद बालकों की देखरेख, संरक्षण और उनका सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित करना है। उपयुक्त सुविधा (फिट फैसिलिटी) के तहत मिलने वाली सभी सेवाएं बच्चों को पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाएंगी।

पात्रता व योग्यता की शर्तें

आवेदन करने के लिए ऐसे इच्छुक व्यक्ति और स्वयंसेवी संस्थाएं (छळव्े) पात्र होंगी, जो बच्चों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से सक्षम हों। साथ ही, आवेदक का किसी भी अनैतिक या अपराधिक कार्य में संलिप्त न होना अनिवार्य है। बाल संरक्षण अथवा सामाजिक कार्य के क्षेत्र में पूर्व अनुभव रखने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जनसामान्य से बच्चों के हितैषी भाव से कार्य करने वाले योग्य लोगों से अपनी सेवाएं देने हेतु आवेदन करने की अपील की गई है।

एएसपी ने सुमेरपुर में सुनीं जनसमस्याएं –निस्तारण के दिए निर्देश

हमीरपुर। आम जनमानस की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए शनिवार को जनपद के थाना सुमेरपुर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने आए हुए शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बेहद गंभीरतापूर्वक सुना और उनके गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान का आश्वासन दिया। समाधान दिवस के दौरान मुख्य रूप से भूमि विवाद, राजस्व संबंधी प्रकरणों और अन्य सामाजिक जनसमस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। मामलों की समीक्षा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विवादित मामलों में संयुक्त रूप से मौके पर जाएं, निष्पक्ष जांच करें और कानून के दायरे में रहकर पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उनका जोर इस बात पर रहा कि पीड़ितों को न्याय पाने के लिए बार–बार चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक थाना सुमेरपुर सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों का SDMA और UNDP की टीम ने किया निरीक्षण

सूरज उपाध्याय जिला ब्यूरो

संत कबीर नगर। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की संयुक्त प्रतिनिधि

टीम ने जनपद के बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण एवं निरीक्षण किया। टीम ने बाढ़ प्रबन्धन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों से संवाद कर आपदा के दौरान राहत एवं बचाव संबंधी जानकारी साझा की। परियोजना निदेशक (बाढ़) एवं परियोजना विशेषज्ञ (र्ं–ंै) आशीष शर्मा, प्रोजेक्ट एसोसिएट (प्ब्ड) प्रशान्त कुमार तथा यूएनडीपी की मेट्रोलॉजिस्ट सुश्री सहाना हेगड़े की संयुक्त टीम ने बिड़हर घाट बाढ़ निरीक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इसके बाद बांध पर स्थित बाढ़ चौकी तुरकौलिया नायक का जायजा लेकर ग्रामीणों से बातचीत की। टीम ने गायघाट में नदी किनारे की स्थिति का निरीक्षण किया और ग्रामवासियों से बाढ़ के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। ग्राम तिघरा में बाढ़ चौकी एवं बाढ़ आश्रय स्थल का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावित लोगों से संवाद किया गया। प्रधान, एडीओ पंचायत और सचिव से साफ–सफाई एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली गई। ग्रामीणों को आपदा राहत पोर्टल पर ऑनलाइन बजट एवं सूचना व्यवस्था के बारे में बताया गया। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ जैसी आपदा की सूचना मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से मिलती है और बाढ़ आने पर तत्काल लेखपाल को सूचना दी जाती है। टीम ने बताया कि सांप काटने, आकाशीय बिजली गिरने अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में डायल 112 पर भी सूचना दी जा सकती है।

बसडिला पहुंची कलश वंदन यात्रा, विधि–विधान से पूजे गए कलश

सूरज उपाध्याय, संत कबीर नगर ब्यूरो

मेंहदावल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे श्समरसता संकल्प अभियानश के अंतर्गत निकाली जा रही पवित्र श्कलश वंदन यात्राश का शुक्रवार को मेंहदावल पश्चिमी मण्डल के ग्राम बसडिला में भव्य आगमन हुआ। यात्रा के पहुंचने पर ग्रामवासियों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद सम्मानित ग्रामवासियों के सानिध्य में कलश की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। गुरु रविदास जी महाराज के जयघोषों से पूरा गांव भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी, मेंहदावल पश्चिमी मण्डल अध्यक्ष गंगाराम

निषाद, बघौली मण्डल अध्यक्ष राजू भारती, जिला मंत्री हैप्पी राय, शक्तिमणि, उग्रसेन सिंह एवं संजय सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व ग्राम्यजन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि गुरु रविदास जी का जीवन हमें समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। 650वीं जयंती पर चल रही यह यात्रा समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने इस पुनीत कार्य में सहभागी बने सभी ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

छेड़खानी के विवाद में अर्धनग्न कर गांव में घुमाने वाले युवक गिरफ्तार

सोनभद्र। बभनी स्थानीय थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट कर उसे अर्धनग्न अवस्था में गांव में घुमाने तथा उसके प्राइवेट पार्ट पर पत्थर लटकाकर अमानवीय व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो भी बनाया गया था, जो मामले को और गंभीर बनाता है। पुलिस के अनुसार इकदीरी गांव निवासी सरजू ने बभनी थाने में तहरीर देकर बताया कि 6 अगस्त को उसका भाई बभनी बाजार से घर लौट रहा था। इसी दौरान करकच्छी गांव के राजेन्द्र पुत्र छबिलाल, अजय पुत्र राजेन्द्र तथा 6–7 अन्य लोगों ने छेड़खानी के विवाद को लेकर उसे पकड़ लिया। आरोप है कि उसे एक घर में ले जाकर लाठी–डंडों से बेरहमी से पीटा गया, अर्धनग्न कर गांव में घुमाया गया और उसके प्राइवेट पार्ट पर पत्थर

लटकाकर अमानवीय कृत्य किया गया। आरोपियों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया।पीड़ित की तहरीर के आधार पर बभनी थाने में मु0अ0सं0 178/2026 के तहत धारा 109(1), 115(2), 352, 351(3) एवं 191(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द सरोज के नेतृत्व में बभनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अजय पुत्र राजेन्द्र और राजेन्द्र पुत्र छबिलाल, दोनों निवासी ग्राम करकच्छी, थाना बभनी, को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना का वीडियो भी पुलिस के संज्ञान में है, जिसकी जांच कर साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्तिअभियान फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए शादी का झांसा देकर युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वाँछित अभियुक्तको किया गया गिरफ्तार, अपहृता बरामद

सूरज उपाध्याय जिला ब्यूरो

संत कबीर नगर। पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना' के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सुशील कुमार सिंह' के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय' के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पंजीकृत मु0अ0स0 0711/2026 धारा 87/351(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त तबरेज पुत्र नईम उर्फ भकोले निवासी मड्या थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया । विदित हो कि वादी द्वारा दिनाँक 02.08.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अभियुक्त के विरुद्ध वादिनी की पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था । थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा महिला अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए अपहृता को बरामद करते हुए वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया । गिरफ्तार करने वाले पुलिस बल का विवरण– उ0नि0 ध्रुवनरायण यादव, हे0का0 हरिनरायन प्रसाद हे0का0 मनोज कुमार सिंह, म0का0 प्रतिक्षा यादव ।

नानपारा अस्पताल में बच्चे के उपचार में लापरवाही की शिकायत पर कार्रवाई न होने का आरोप. इस प्रकरण को लेकर हाई कोर्ट मैं दाखिल होगी फाइल

आर्य चेतना रीता पाल

बहराइच। नानपारा स्थित एच.डब्ल्यू.एम. अस्पताल के चिकित्सक डॉ. एम.एस. कादरी द्वारा बच्चे के उपचार में कथित लापरवाही के मामले में शिकायतकर्ता पत्रकार तौहीद आलम ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बहराइच संजय कुमार के समक्ष प्रार्थना पत्र देने, बयान दर्ज कराने और एफिडेविट उपलब्ध कराने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, 07 मई 2026 को उनके पुत्र सुफियान के उपचार में कथित लापरवाही के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद शिकायतकर्ता कार्यालय में उपस्थित हुए और अपना बयान दर्ज कराने के साथ

एफिडेविट भी उपलब्ध कराया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने मामले में जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। तौहीद आलम का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी उन्हें विभाग की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई कि शिकायत पर अब तक क्या कार्रवाई हुई। उनका कहना है कि उन्होंने विभाग से इस संबंध में सूचना भी मांगी थी, लेकिन एक माह से अधिक समय बीतने के बावजूद उन्हें संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग में दिए गए प्रार्थना पत्रों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हो रही है और केवल सोशल मीडिया अथवा मोबाइल के माध्यम से गतिविधियां दिखाने तक कार्य सीमित रह गया है। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत पर जांच अथवा अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई है तो उसकी जानकारी शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। तौहीद आलम का यह भी कहना है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के समक्ष उनकी मौजूदगी में फोटो खींची गई थी। उस समय उन्होंने आशंका जताई थी कि फोटो लेने के बाद कहीं मामले में बिना उचित कार्रवाई के अंतिम रिपोर्ट न लगा दी जाए। अब तक विभाग की ओर से कोई सूचना न मिलने के कारण उनकी आशंका और बढ़ गई है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा शिकायत पर हुई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से की है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों के अनुरूप शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

सम्पादकीय

जायज जेन–जी

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन–जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन–जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन–जी और जेन–अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार–प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध–आंदोलन संविधान की मर्यादा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन–जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं।

राशिफल

मेष :– निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली स्थिति रहेगी।

वृषभ :– परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन :– मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तृप्त रहने का प्रयत्न करें। रोजगार में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। आलस्य कतई न करें।

कर्क :– बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

सिंह :– नौकरी का वातावरण सुखद होगा। भावनात्मक समस्याओं पर सगे–संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी।

कन्या :– महत्वपूर्ण कार्य को कल पर न टालें। नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भावावेष में किये गये कार्य से कष्ट संभव।

तुला :–महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

वृश्चिक :– अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। जरूरी कायरे में आलस्य न करें। किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

धनु :– सगे–संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकर :– विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें।

कुंभ :– राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन–सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आलस्य कतई न करें।

मीन :– किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। महत्वपूर्ण योजनाओं की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे।

ढाका की राजनीति और भारत–बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू–राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत–बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे–धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए। भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा–पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरुआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं। शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मर्यादा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरुआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीनाा के बांग्लादेश यानी वतन–वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

सरकारी स्कूल बचेंगे तो शिक्षा, संस्कार और संस्कृति भी बचेगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके विशाल भवनों, चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों या आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जाती। किसी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा ही वह आधार है जिस पर सभ्यता, संस्कृति, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक प्रगति का पूरा ढाँचा खड़ा होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा; यदि शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समानता के सबसे बड़े संस्थान भी हैं। यहाँ किसान का बेटा, मजदूर की बेटी, दुकानदार का बच्चा और सरकारी कर्मचारी का पुत्र एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकता है। यही वह व्यवस्था है जो समाज में समान अवसर की भावना को जन्म देती है। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है, तो शिक्षा धीरे–धीरे आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाती है और समाज दो हिस्सों में बँटने लगता हैकृ एक वह जो महँगी शिक्षा खरीद सकता है और दूसरा वह जिसे सीमित अवसरों से ही संतोष करना पड़ता है। आज दुर्भाग्य से यह धारणा तेजी से फैल रही है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी विद्यालयों में ही मिल सकती है। अंग्रेज़ी माध्यम को गुणवत्ता का पर्याय मान लिया गया है। अभिभावक अपनी आय का बड़ा हिस्सा निजी विद्यालयों की फीस, परिवहन, पुस्तकों और अन्य खर्चों पर लगाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों के प्रति उदासीनता बढ़ी है। यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का भी प्रश्न है। यह सच है कि कुछ सरकारी विद्यालय संसाधनों, शिक्षकों की कमी या प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश के हजारों सरकारी विद्यालय उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। अनेक सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं, सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खेल और शोध जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। समस्या पूरे सरकारी तंत्र की नहीं, बल्कि उसकी असमान गुणवत्ता, सार्वजनिक धारणा और निरंतर सहयोग की कमी की भी है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को अच्छा नागरिक बनाना, सही और गलत में अंतर करना सिखाना, संविधान के प्रति सम्मान विकसित करना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाना भी है। यदि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित हो जाए तो वह अधूरी शिक्षा है। संस्कार, सहिष्णुता, अनुशासन, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्य भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलते हैं। विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों का एक साथ पढ़ना लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करता है। बच्चे एक–दूसरे की परिस्थितियों को समझते हैं, विविधता का सम्मान करना सीखते हैं और सामाजिक समरसता विकसित होती है। इसके विपरीत यदि शिक्षा पूरी तरह आर्थिक वर्गों में बँट जाएगी तो सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। आज अपराध, नशाखोरी, हिंसा, साइबर अपराध और सामाजिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं पर गंभीर चर्चा होती है। इन समस्याओं के अनेक कारण हैंकृ बेरोज़गारी, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन, अवसरों की कमी और मूल्य–आधारित शिक्षा का अभाव। यह कहना उचित नहीं होगा कि इन सभी समस्याओं का कारण केवल शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि एक मजबूत, समावेशी और मूल्य–आधारित शिक्षा व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसीलिए सरकारी विद्यालयों को केवल भवन, कमरे और फर्नीचर के रूप में नहीं देखना चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन के केंद्र हैं। यदि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और समुदाय का सहयोग मिलेगा तो उनका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा। अक्सर यह प्रश्न पूछा जाता है कि यदि निजी विद्यालय बेहतर हैं तो लोग सरकारी विद्यालयों की चिंता क्यों करें? इसका उत्तर बहुत सरल है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था कमजोर होने का प्रभाव अंततः पूरे समाज पर पड़ता है। जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ लोगों तक सीमित रह जाती है, तब अवसरों की असमानता बढ़ती है। असमानता बढ़ने पर सामाजिक तनाव, आर्थिक विषमता और असंतोष भी बढ़ते हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों की मजबूती केवल गरीबों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का हित है। ग्रामीण भारत में सरकारी विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। अनेक गाँवों में यही एकमात्र ऐसा संस्थान है जहाँ बच्चों को शिक्षा का अवसर मिलता है। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता बेहतर होगी तो गाँवों से पलायन कम होगा, स्थानीय प्रतिभाएँ आगे आएँगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके विपरीत यदि ग्रामीण शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास तक दिखाई देगा। शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों के प्रति सम्मान का वातावरण बनाए। साथ ही शिक्षकों का दायित्व भी है कि वे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। एक प्रेरित शिक्षक कई पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है। अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विद्यालय केवल शिक्षकों के भरोसे नहीं चल सकते। यदि माता–पिता नियमित रूप से विद्यालय जाएँ, शिक्षकों से संवाद करें, बच्चों की पढ़ाई में रुचि लें और विद्यालय की गतिविधियों में भाग लें, तो शिक्षा का स्तर स्वतः बेहतर होगा। विद्यालय और परिवार का सहयोग ही सफल शिक्षा की कुंजी है। स्थानीय समाज, पंचायतें, पूर्व विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि भी सरकारी विद्यालयों के विकास में भागीदार बन सकते हैं। पुस्तकालय, खेल सामग्री, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, करियर मार्गदर्शन और डिजिटल संसाधनों जैसी अनेक पहलें सामुदायिक सहयोग से संभव हैं। जब पूरा समाज विद्यालय को अपना समझता है, तब विद्यालय भी समाज का गौरव बन जाता है। सरकारों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल कक्षाएँ, पुस्तकालय, खेल सुविधाएँ, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल और नियमित प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करनी होंगी। शिक्षा पर किया गया व्यय खर्च नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश होता है। नई शिक्षा नीति ने भी मातृभाषा, कौशल विकास, समग्र शिक्षा और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया है। सरकारी विद्यालय इस दृष्टि को सबसे प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं, क्योंकि वे समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के सबसे निकट हैं। यदि इन विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन और सामाजिक विश्वास मिले तो वे राष्ट्रीय विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि अंग्रेज़ी भाषा सीखना उपयोगी है, लेकिन शिक्षा का अर्थ केवल अंग्रेज़ी माध्यम नहीं है। ज्ञान, तर्कशक्ति, वैज्ञानिक सोच, नैतिकता और रचनात्मकता किसी एक भाषा की बपौती नहीं हैं। मातृभाषा में मजबूत आधार और अन्य भाषाओं का ज्ञानकृदोनों मिलकर विद्यार्थियों को अधिक सक्षम बनाते हैं। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि सहभागिता की है। केवल सरकार को दोष देने या केवल शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराने से समाधान नहीं निकलेगा। शिक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। सरकार, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी और समाजकृसभी को अपनी–अपनी भूमिका निभानी होगी। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ संवेदनशील, शिक्षित, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनें, तो हमें सरकारी विद्यालयों को मजबूत बनाना ही होगा। यह केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, समान अवसर और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का प्रश्न भी है। सरकारी विद्यालय बचाना किसी एक वर्ग का अभियान नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का दायित्व है। जब सरकारी विद्यालय मजबूत होंगे, तब शिक्षा मजबूत होगी; शिक्षा मजबूत होगी तो संस्कार मजबूत होंगे; संस्कार मजबूत होंगे तो संस्कृति सुरक्षित रहेगी; और जब संस्कृति सुरक्षित रहेगी, तभी राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। सरकारी विद्यालयों की घंटी केवल कक्षा शुरू होने का संकेत नहीं देती, बल्कि वह एक ऐसे भारत की आशा जगाती है जहाँ हर बच्चे को समान अवसर मिले, हर परिवार को शिक्षा का विश्वास मिले और हर नागरिक को अपने देश के भविष्य पर गर्व हो। इसलिए आइए, सरकारी विद्यालयों को केवल सरकार का नहीं, अपना विद्यालय मानें। क्योंकि यदि सरकारी स्कूल बचेंगे, तो शिक्षा भी बचेगी, संस्कार भी बचेंगे और हमारी साझा संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी।

सडाको के कागज के पक्षी याद दिलाते हैं हिरोशिमा की

बाबा मायाराम

दो दिन पूर्व हिरोशिमा दिवस था, इस दिन को याद करने की आज बहुत जरूरत है, क्योंकि दुनिया में कई छोटे–बड़े युद्ध हो रहे हैं। अशांति व अराजकता का माहौल है। कई बार तो ऐसा लगता है कि दुनिया को खतरनाक युद्ध के बड़े नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में हिरोशिमा पर हुई बमबारी के नतीजों को जानना जरूरी है, जिससे हम यह समझ सकें कि ऐसे विनाशकारी हथियारों का असर न केवल तत्कालीन होता है, बल्कि पीढ़ियों तक बना रहता है। एक कहानी सडाको की है इस सडाको और कागज के पक्षी नामक किताब में एक लड़की की मार्मिक दर्द है। द्वितीय विश्व युद्ध जब अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर बम बरसाए थे, तब जापानी लड़की सडाको दो साल की थी। लेकिन बाद में वह बीमार हो गई। उसका बम गिरने के 9 साल बाद सडाको के जीवन पर असर पड़ा। जब हिरोशिमा दिवस को याद किया जा रहा था। दीवारों पर एटम बम में मारे गए लोगों के फोटो चिपकाए गए थे। कागज की बनी लालटेन के अंदर मोमबत्तियां जलाई गई थी। सडाको ने उसकी लालटेन पर मृत दादी का नाम लिखा था, और उसे नदी में बहा दिया था। ये सब लालटेनें जुगुनियों की तरह टिमटिमा रही थीं। सडाको का सारा परिवार एक मेज के सामने प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुआ। मेज पर दादी की फोटो एक सोने के फ्रेम में सजी रखी थी। मिस्टर ससाकी, जो सडाको के पिता थे, ने अपने पुरखों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बम को गिरे हुए नौ साल हो चुके थे। परंतु उसकी किरणें, उसका जहर, लोगों की मौत का कारण बना हुआ था। सडाको का स्कूल की रिले रेस में दौड़ने के लिए चयन हुआ था। वह बहुत उत्साहित थी। इसके पहले उसने दौड़ने का अभ्यास किया था। सडाको की तेज रफ्तार देखते ही बनती थी। ऐसा लगता था जैसे वह हवा से बातें कर रही है। आखिर रेस का दिन आ गया। रिले रेस में जब उसकी बारी आई, तब सडाको जी जान व पूरी ताकत लगाकर दौड़ी। वह जीत गई थी। पर उसका दिल तेजी से धड़कने लगा, इसी दौरान उसका सिर चकराने लगा। कुछ दिन बाद भी स्कूल में वह दौड़ने समय गिर गई। जब अस्पताल में उसका एक्सरे लिया गया तो खून का कैंसर निकला। उसे कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा। इस दौरान उसके परिजन व स्कूल के दोस्त मिलने आए।

बहराइच आरटीओ में दलालों के नेटवर्क का आरोप, स्टिंग वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

आर्य चेतना रीता पाल

बहराइच। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) बहराइच में दलालों की कथित सक्रियता और अवैध वसूली के आरोपों को लेकर एक स्टिंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद आरटीओ कार्यालय की कार्यप्रणाली और वहां की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लाइसेंस बनवाने के नाम पर ₹2,000 मांगने का आरोप, खुलेआम सक्रिय बताए जा रहे दलाल प्राप्त जानकारी के अनुसार, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए निर्धारित सरकारी शुल्क के अलावा दलालों के माध्यम से आवेदकों से कथित तौर पर अतिरिक्त रकम लिए जाने का आरोप है। वायरल स्टिंग वीडियो से जुड़े दावों में लाइसेंस बनवाने के नाम पर 2,000 तक की रकम मांगने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि आरटीओ कार्यालय के आसपास दलाल खुलेआम सक्रिय हैं और उनके सहारे आवेदकों से पैसे लिए जा रहे हैं। कथित वीडियो में आरटीओ कार्यालय के मुख्य गेट से लेकर परिसर के

आसपास कुछ लोगों को फाइलों के साथ सक्रिय देखा जा सकता है। हालांकि, वीडियो में दिखाई देने वाले सभी लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

सीधे आवेदन करने वाले परेशान, दलालों के सहारे काम कराने का आरोप स्थानीय लोगों का आरोप है कि जो आवेदक स्वयं नियमों के अनुसार आवेदन करने के लिए कार्यालय पहुंचते हैं, उन्हें दस्तावेजों और प्रक्रिया के नाम पर कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। आरोप यह भी है कि जिन आवेदकों से अतिरिक्त रकम नहीं ली जाती, उन्हें प्रक्रिया में परेशानी का सामना करना पड़ता है और उन्हें दलालों का सहारा लेना पड़ता है। वहीं, आरोप है कि दलालों के माध्यम से आने वाली फाइलों का काम अपेक्षाकृत जल्दी कराया जाता है। यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं तो यह विभागीय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करने के साथ–साथ ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया और सड़क सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण मामला बन सकता है। अधिकारी ने कार्रवाई की बात कही मामले में एआरटीओ बहराइच का आधिकारिक पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। वहीं, आरआई प्रदीप कुमार ने कहा कि "कार्यालय के बाहर दुकानें और दलाल रहते हैं; यदि कोई अंदर आएगा तो उस पर कार्रवाई होगी और पकड़ा जाएगा।" निष्पक्ष जांच की मांग वायरल वीडियो और लगाए जा रहे आरोपों के बाद स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जांच के दौरान यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या कार्यालय परिसर में अनधिकृत रूप से दलाल सक्रिय हैं और क्या लाइसेंस जारी करने के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक रकम वसूली जा रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। नोटरू वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि और उसमें दिखाई देने वाले व्यक्तियों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। संबंधित विभाग या अधिकारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाना चाहिए।

थाना रायपुर पुलिस की बड़ी सफलता - पूर्व में हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान फरार 25,000/- का इनामिया गौ-तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री सुधीर कुमार सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए पूर्व में हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान फरार ₹25,000/– का इनामिया गौ–तस्कर को गिरफ्तार किया गया। थाना रायपुर पर दिनांक 18.06.2026 को पंजीकृत मु0अ0सं0 89/2026, धारा 109 बीएनएस, 3/25 आर्म्स एक्ट एवं 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त करियवा यादव उर्फ राजबहादुर पुत्र स्व0 जगी नारायण निवासी ग्राम गेरुआडीह, थाना मांडा, जनपद प्रयागराज घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा 25,000/– (पच्चीस हजार रुपये) का पुरस्कार घोषित किया गया था। थाना रायपुर एवं रामपुर बरकोनिया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा लगातार प्रयास

करते हुए आज दिनांक 08.08.2026 को समय करीब 00रू50 बजे अभियुक्त को उसके घर के पास ग्राम गेरुआडीह, थाना मांडा, जनपद प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– करियवा यादव उर्फ राजबहादुर पुत्र स्व0 जगी नारायण, निवासी ग्राम गेरुआडीह, थाना मांडा, जनपद प्रयागराज।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1. श्री विजय कुमार चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र।
2. श्री राम सिंहासन शर्मा, थानाध्यक्ष, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र।
3. हे0का0 राजीव कुमार, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र।
4. हे0का0 संजय कुमार सिंह, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र।
5. का0 दीप सिंह, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र।
6. का0 सुनील कुमार, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र।

लालबाग प्राचीन फाटकों के दुकानदारों ने मंत्री राकेश राठौर से लगाई गुहार

दुकानें खाली कराने की आशंका से डरे व्यापारी, मंत्री को सुनाई पीड़ा

दीपेंद्र भदौरिया, ब्यूरो चीफ

सीतापुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष भगवती गुप्ता के नेतृत्व में लालबाग फाटक, घंटाघर फाटक और सराय

फाटक के व्यापारियों ने नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर 'गुरु जी' से मुलाकात कर दुकानों को खाली कराने की आशंका पर चिंता जताई और अपनी रोजी–रोटी बचाने की गुहार लगाई। जिलाध्यक्ष भगवती गुप्ता ने बताया कि तीनों प्राचीन फाटकों के नीचे नगर पालिका से आवंटित करीब 18 दुकानों में व्यापारी पिछले 50–60 वर्षों से कारोबार कर रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार वर्ष 2017 से कई प्रयासों के बावजूद नगर पालिका परिषद सीतापुर द्वारा उनका किराया जमा नहीं कराया गया। अब मौखिक रूप से दुकानें खाली करने के लिए कहा जा रहा है, जिससे व्यापारी परेशान और भयभीत हैं। व्यापार मंडल ने मंत्री को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर मांग की कि वर्षों से व्यवसाय कर रहे व्यापारियों को उजाड़ा न जाए, दुकानों का रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण किया जाए और उनके रोजगार का भविष्य सुरक्षित रखा जाए। व्यापारियों ने कहा कि शहर के सौंदर्यीकरण और तीनों फाटकों के पुनरुद्धार में वे पूरा सहयोग करेंगे, लेकिन दुकानदारों को हटाए बिना विकास कार्य कराया जाए। मंत्री राकेश राठौर ने व्यापारियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसा कोई कार्य नहीं किया जाएगा जिससे व्यापारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट पैदा हो। उन्होंने कहा कि वह स्वयं व्यापारी हैं और व्यापारियों के दुख–दर्द को समझते हैं तथा उनके सुख–दुख में हमेशा खड़े रहेंगे। इस दौरान नगर अध्यक्ष बृजेश रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।यह संस्करण लगभग 250 शब्दों का है।

प्राथमिक विद्यालय महुली में जलभराव से बच्चों की पढ़ाई और खेलकूद प्रभावित

बहरिया, प्रयागराज। बहरिया ब्लॉक के महुली ग्राम सभा स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। विद्यालय परिसर में पानी जमा होने से विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को प्रतिदिन आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे बच्चों के खेलने के लिए मैदान भी उपलब्ध नहीं रह गया है।विद्यालय आने वाले नौनिहालों को पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इससे उनके कपड़े और जूते गीले हो जाते हैं, वहीं छोटे बच्चों के फिसलकर चोटिल होने की आशंका भी बनी रहती है। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय परिसर म जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या हर वर्ष उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं कराया गया।ग्रामीणों ने बताया कि परिसर में लंबे समय तक पानी भरे रहने से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ती जा रही है।ग्रामीणों और अभिभावकों ने संबंधित विभाग तथा शिक्षा अधिकारियों से विद्यालय परिसर से जल्द जलभराव हटवाने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने और परिसर को सुरक्षित बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बच्चों की पढ़ाई के साथ–साथ उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद बेचने का आरोप, किसानों ने जताया आक्रोश

महुली साधन सहकारी समिति में 267 की जगह 280 रुपये प्रति बोरी लेने का आरोप, जलभराव ने भी बढ़ाई परेशानी

सिकंदरा, प्रयागराज। बहरिया ब्लाक के महुली स्थित साधन सहकारी समिति लिमिटेड में शुक्रवार को खाद वितरण के दौरान किसानों ने निर्धारित मूल्य से अधिक रुपये लिए जाने का आरोप लगाया। किसानों का कहना है कि खाद की एक बोरी का निर्धारित मूल्य 267 रुपये है, जबकि समिति पर उनसे 280 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से भुगतान लिया जा रहा है।किसानों ने खाद वितरण व्यवस्था में भी अनियमितता का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। किसानों के अनुसार समिति के सचिव नरसिंह व उनके सहयोगियों द्वारा खाद वितरण किया जा रहा था। इस दौरान खाद लेने पहुंचे किसानों ने आरोप लगाया कि उनसे प्रति बोरी निर्धारित मूल्य से 13 रुपये अधिक लिए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि खाद की जरूरत के चलते उन्हें मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराने और निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।वहीं, समिति के खाद गोदाम के सामने जलभराव भी किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। परिसर के सामने पानी जमा होने से खाद की बोरियां लेकर निकलने में किसानों को कठिनाई हो रही है। किसानों का कहना है कि बोरी पानी में गिरने पर खाद खराब होने का खतरा बना रहता है।मौके पर मौजूद किसान बचई राम, अनिल कुमार, राम बहादुर पटेल, करनाईपुर के अशोक कुमार, चंद्रजीत यादव और बृजेश

कुमार ने आरोप लगाया कि खाद वितरण के दौरान धांधली की जा रही है। किसानों ने विभागीय अधिकारियों से समिति पर खाद वितरण और वसूली की जांच कराने के साथ ही गोदाम के सामने जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

स्कूली वाहनों की जांच में सख्ती, क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर होगी कार्रवाई

सोनभद्र। स्कूली बच्चों की सुरक्षित एवं संरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने स्कूली वाहनों की निगरानी और जांच तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि विद्यालयों में बच्चों के आवागमन के लिए संचालित ऑटो, टोटो, वैन, बस एवं अन्य वाहनों का नियमित निरीक्षण किया जाए। निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन करने वाले वाहन चालकों एवं संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक और यातायात संबंधी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा ने अपने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों को विद्यालय लाने–ले जाने वाले ऑटो, टोटो, वैन और बसों की जांच की गई। वाहन चालकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी स्थिति में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में न बैठाया जाए और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों

के प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों एवं प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों को भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उन्हें कहा गया कि विद्यालय द्वारा संचालित अथवा अनुबंधित सभी वाहनों का समय–समय पर सत्यापन कराया जाए। वाहनों में निर्धारित क्षमता के साथ फिटनेस प्रमाणपत्र, वैध परमिट, बीमा, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक अभिलेख उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जाए।पुलिस अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा वाहन संचालकों को नियमित रूप से सुरक्षा मानकों का पालन कराने के लिए कहा। साथ ही वाहन चालकों को तेज गति, लापरवाही और ओवरलोडिंग से बचने की हिदायत दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद के विद्यालयों और स्कूली वाहनों का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा। बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डीएम एवं एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

इरफान अली जिला ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा उनके नियमित टीकाकरण सहित बच्चों से संबंधित अन्य आवश्यक गतिविधियों एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने कारागार की पाकशाला का भी निरीक्षण किया तथा बंदियों को मानक के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराते रहने के निर्देश दिए। विशेष सुरक्षा वाले बैरकों में विशेष सतर्कता बरतते हुए निगरानी बढ़ाने तथा वहां निरुद्ध बंदियों की गतिविधियों पर प्रभावी

नजर रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जेल चिकित्सालय में भर्ती बीमार बंदियों को समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी बंदी को अनावश्यक रूप से जेल चिकित्सालय में भर्ती न रखा जाए। उन्होंने कम उम्र वाले युवक–युवतियों एवं महिला बंदियों, जो कारागार में निरुद्ध है, को कौशल विकास योजनाओं से जोड़ने तथा उनमें कौशल एवं दक्षता विकसित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कारागार में एक जेल एक उत्पादष् निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने तथा उनकी उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि के साथ–साथ उचित मार्केटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराया जाए, जिससे उन्हें अपने उत्पादों का उचित लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने सिद्धदोष 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग पुरुष बंदियों एवं 60 वर्ष से अधिक उम्र की सिद्धदोष महिला बंदियों की दया याचिका एवं समयपूर्व रिहाई के लिए नियमानुसार प्रस्ताव शासन को जेल स्तर से भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिया कि जिन बंदियों को अधिवक्ता संबंधी विधिक सहायता नहीं मिल पा रही है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से शासकीय अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनके मामलों की प्रभावी पैरवी के साथ साथ विधिक सहायता मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान जेल की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेल की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक आशीष रंजन सहित अन्य जेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सराय दारा शिकोह उर्फ मिझूरा में चौपाल आयोजित, ग्राम सभा के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

सिकंदरा, प्रयागराज। बहरिया विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सभा सराय दारा शिकोह उर्फ मिझूरा में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के साथ ही ग्राम सभा में संचालित विकास कार्यों एवं आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए पेयजल, सड़क, नाली, स्वच्छता, आवास, शौचालय, विद्युत व्यवस्था तथा सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने गांव में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार,

जल निकासी की व्यवस्था मजबूत करने तथा पात्र लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग रखी। चौपाल में अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। साथ ही सभी विभागों को जनहित से जुड़े कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, अरुण कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह पंचायत सचिव, शेखर श्रीवास्तव संबंधित विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। आयोजन का उद्देश्य शासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर गांव के समग्र विकास को गति देना रहा।

सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर ने लोकसभा में उठाया सर्राफा कारोबारी का मुद्दा धारा 317 के कथित दुरुपयोग पर चिंता

इरफान अली जिला ब्यूरो देवरिया

देवरिया। सलेमपुर के सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने आज लोकसभा में नियम 377.के। माध्यम से देश भर के सर्राफा व्यवसायियों विशेषकर उत्तर प्रदेश के स्वर्ण बयापार से जुड़े दुकानदारों एवं कारीगरों की गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं सर्राफ बयवसाय एक वैध एवं सम्मानित ब्यापार है तथा इससे जुड़े ब्यपारी जी एस टी आयकर सहित सभी वैधानिक करो का भुगतान करते हैं इसके बावजूद भारतीय न्याय संहिता की धारा 317के।कथित दुरुपयोग के कारण अनेक व्यवसायियों को अनावश्यक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है कई मामलों में चोरी के आरोपी के केवल मौखिक बयान के आधार पर दुकानदारों को थाने बुलाकर पुछताछ की जाती है तथा बिना पर्याप्त साक्ष्य के चोरी का माल खरीदने के आरोप में कारवाई की जाती है इससे बयापारियो की प्रतिष्ठा एवं आजिविका प्रभावित होती है अतः सरकार से मांग है

कि अनजान में चोरी का आभुषण खरीदने वाले व्यवसायी का बरामदगी होने पर परिस्थितियों के अनुसार सरकारी गवाह बनाने की व्यवस्था की जाए प्रत्येक जनपद में ब्यपारी नोडल अधिकारी नियुक्त हो उत्तर प्रदेश के स्वर्ण कला बोर्ड गठित किया जाएं तथा गरीब कारीगरों से एवं दुकानदारों को तिजोरी खरीदने हेतु सब्सिडी प्रदान की जाएं उक्त जानकारी सांसद मिडिया प्रभारी मंजूर आलम ने दिया है।

'पैरों में बंधी रहती थी जंजीर, ढील मिली तो थमीं वृद्ध की सांसें, डंडे से पीट-पीटकर मारा, महोबा हत्याकांड

संवाददाता

महोबा। महोबा जिले में खन्ना थाना क्षेत्र के ग्योड़ी गांव में शुक्रवार की सुबह घर के दरवाजे पर खड़े मानसिक बीमार युवक को टोकना वृद्ध के लिए जानलेवा साबित हुआ। युवक ने लोहे की मूठ लगे डंडे से पीटकर वृद्ध की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया है। मृतक के बेटे की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। गांव निवासी रामाधार वर्मा (80) दस बीघा भूमि में खेती–किसानी करके परिवार का भरण–पोषण करते थे। शुक्रवार की सुबह वह चारपाई के लिए लकड़ी के पाया बनवाने को गांव के ही पप्पू विश्वकर्मा के घर गए थे। डंडे से सिर पर एक के बाद एक कई प्रहार दरवाजे पर खड़े छोटे भाई हरीशंकर से वृद्ध ने पप्पू के बारे में पूछा, लेकिन युवक ने कोई जवाब नहीं दिया। दोबारा टोकने पर हरीशंकर आगबबूला हो गया और डंडे से सिर पर एक के बाद एक कई प्रहार किए। लहूलुहान वृद्ध को परिजन सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कभी–कभार शराब पीकर गांव में

घूमता रहता है मृतक के बेटे मुलायम ने बताया कि आरोपी और उसके परिवार से उनकी कोई रंजिश नहीं है। आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। कभी–कभार शराब पीकर गांव में घूमता रहता है। पिता के टोकने पर उसने घटना को अंजाम दिया। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है आरोपी आरोपी हरीशंकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीओ रविकांत गोंड का कहना है कि मृतक किसी कार्य के सिलसिले में आरोपी के घर गया था। इसी दौरान घटना हुई। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और प्रथम दृष्टया वह मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है। चार साल से चल रहा इलाज, पैर में जंजीर बांधकर रखते थे परिजन शव का पोस्टमार्टम कराकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वृद्ध की हत्या का आरोपी हरीशंकर चार साल से मानसिक रूप से बीमार चल रहा है। परिजन उसका इलाज ग्वालियर में करा रहे है। इलाज के दौरान उत्पात मचाने पर परिजन उसे घर में ही रखते थे और पैर में जंजीर बांधे रहते थे। एक हफ्ते से थी ढील मृतक के बेटे मुलायम ने बताया कि उनका आरोपी और उसके परिवार से कोई विवाद या पुरानी रंजिश नहीं थी। एक सप्ताह से वह बिना जंजीर के बाहर बैठ जाता था। वृद्ध के घर पहुंचे व टोकने पर युवक ने डंडे से हमला कर दिया। इससे वृद्ध की जान चली गई।

बम भोले की गूंज, डाक कांवड़-पैदल जत्थों में गुजर रहे शिवभक्त, भक्ति में झूम रहा पश्चिमी यूपी

संवाददाता

मेरठ। कांवड़ यात्रा 2026 ने सावन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सड़कों को आस्था के रंग में रंग दिया है। दिल्ली–हरिद्वार हाईवे से लेकर मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और बागपत तक हर तरफ हर–हर महादेव के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। कंधे पर गंगाजल लिए शिवभक्त अपने–अपने गंतव्य और शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। दिन हो या रात, हाईवे पर कांवड़ियों का सैलाब लगातार नजर आ रहा है। पैदल जत्थों के साथ डाक कांवड़िए भी पूरे उत्साह के साथ दौड़ते हुए आगे बढ़ रहे हैं। कांवड़ियों की टोलियां रास्ते में शिव भजनों पर थिरकती नजर आ रही हैं। कई जत्थों के साथ डीजे, ढोल और भजन मंडलियां चल रही हैं। भक्ति गीतों की धुन पर झूमते शिवभक्त रास्ते की थकान भूलकर आगे बढ़ रहे हैं। शाम होते ही कांवड़ मार्गों पर नजारा और भी भव्य हो जाता है। रोशनी से सजी कांवड़ें, डीजे की धुन और भगवा रंग में रंगे शिवभक्त पूरे माहौल को मेले जैसा बना देते हैं। डाक कांवड़ की रफ्तार, पैदल जत्थों का उत्साह हाईवे पर डाक कांवड़िए तेजी से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं सामान्य कांवड़ लेकर चल रहे शिवभक्त भजनों पर झूमते हुए अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं। कांवड़ियों की ऊर्जा और उत्साह राह से गुजरने वाले लोगों को भी आकर्षित कर रहा है। शहरवासी

भी बड़ी संख्या में कांवड़ मार्गों पर पहुंचकर इस नजारे को देख रहे हैं और कई स्थानों पर शिवभक्तों की सेवा कर रहे हैं। सेवा शिविरों में भंडारे, जगह–जगह पुष्पवर्षा से स्वागत कांवड़ मार्गों पर जगह–जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं। इनमें शिवभक्तों के लिए भोजन, पानी, शरबत और विश्राम की व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में युवा और स्वयंसेवक दिन–रात कांवड़ियों की सेवा में जुटे हैं। कई स्थानों पर कांवड़ियों का फूल बरसाकर स्वागत किया जा रहा है। मुजफ्फरनगर में सीओ ऋषिका सिंह भी महिला कांवड़ियों की सेवा करती नजर आईं। उनका महिला कांवड़ियों के पैर दबाने का वीडियो और तस्वीरें चर्चा में रहीं। 11 अगस्त को महाशिवरात्रि, हाईवे पर मेले जैसा माहौल कांवड़ यात्रा के दौरान शाम और रात के समय हाईवे और कांवड़ मार्गों पर मेले जैसा माहौल दिखाई दे रहा है। कांवड़ियों के साथ शहरवासी भी इन मार्गों पर पहुंच रहे हैं। कोई भक्ति का यह नजारा देखने पहुंच रहा है तो कोई सेवा शिविरों में पहुंचकर शिवभक्तों की सेवा कर रहा है। 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयों में कांवड़ियों द्वारा गंगाजल चढ़ाया जाएगा। इसे देखते हुए कांवड़ मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और बढ़ने की उम्मीद है।

एनजीटी ने साहिबाबाद पाइपलाइन परियोजना का मामला निस्तारित

संवाददाता

गाजियाबाद/साहिबाबाद। साहिबाबाद साइट–4 स्थित औद्योगिक क्षेत्र में शोधित पानी की लाइन बिछाने के दौरान एनजीटी ने मानकों का पालन होता हुआ माना है। पीसीबी की रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने इस मामले को निस्तारित कर योजना को हरी झंडी दे दी है। हालांकि योजना के तहत 90 फीसदी काम पहले ही पूरा हो चुका है। मामले की सुनवाई एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने की। इंदिरापुरम एसटीपी से औद्योगिक क्षेत्र को शोधित पानी पहुंचाने के लिए दो वर्ष से पाइप लाइन डालने का काम किया जा रहा है। वर्ष 2024 में कुछ लोगों ने एनजीटी में याचिका दायर कर पाइपलाइन बिछाने के दौरान पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। पूर्व में सुनवाई करते हुए एनजीटी ने पीसीबी और जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। एनजीटी के निर्देश पर यूपीपीसीबी ने 5 अगस्त को अपनी अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट एक अगस्त को किए गए स्थल निरीक्षण पर आधारित है। इसके मुताबिक इंदिरापुरम स्थित 56 एमएलडी एसटीपी और 40 एमएलडी टीएसटीपी से शोधित पानी साहिबाबाद साइट–4 की 1,400 से अधिक औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। इसका उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों की भूजल पर निर्भरता कम करना है। यूपीपीसीबी को अपनी रिपोर्ट में जीआरएपी के उल्लंघन के मामले में परियोजना से जुड़े पक्ष पर 25 लाख का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया जा चुका है। एनजीटी की रिपोर्ट से संतुष्ट होने के बाद एनजीटी में केस की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति ने माना कि उनके पूर्व आदेश का पालन हो गया है। पीठ ने कहा कि अब किसी अन्य निर्देश की जरूरत नहीं है और निष्पादन आवेदन का निस्तारण कर दिया।

ईएमओ और सहयोग करने वाले 10 कर्मियों से स्पष्टीकरण तलब, 35 दिन तक भर्ती रही थी महिला बंदी, कमेटी गठित

संवाददाता

कानपुर। कानपुर के उर्सला में ईएमओ के अंडर में 35 दिन से भर्ती महिला बंदी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। महिला की जांच रिपोर्ट में सब कुछ सामान्य निकलने पर निदेशक ने ईएमओ से स्पष्टीकरण मांगा है। मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई है। ईएमओ का सहयोग करने वाले 10 अस्पताल कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। दो जुलाई में महिला बंदी अनुजा अवस्थी को पेट में तेज दर्द की शिकायत पर कारागार चिकित्साधिकारी के परामर्श पर उर्सला लाया गया था। अस्पताल के ईएमओ डॉ. सपन गुप्ता ने महिला बंदी को भर्ती कर लिया है। उसे प्राइवेट कमरा नंबर 207 में भर्ती करके खुद ही इलाज शुरू कर दिया। उसकी जांचें कराई गईं, तो सब कुछ सामान्य निकला बंदी के भर्ती होने के बारे में उन्होंने निदेशक व प्रबंधन को कुछ नहीं बताया। चार अगस्त को जब जेल से रोगी की जानकारी के लिए चिट्ठी आई तो निदेशक और सीएमएस को पता चला। सीएमएस को तब तक यह नहीं पता था कि बंदी किसी ईएमओ के अंडर में भर्ती है। चार अगस्त को ही उसकी जांचें कराई गईं, तो सब कुछ सामान्य निकला। ईएमओ के अलावा 10 और स्टॉफ से भी स्पष्टीकरण मांगा सवाल यह उठ रहा है कि सब कुछ सामान्य होने के बाद भी उसे भर्ती क्यों रखा गया। निदेशक डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने कहा है कि ईएमओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सूचना न देकर बड़ी लापरवाही की है। शुक्रवार को स्पष्टीकरण मांगा गया है और कमेटी बनाकर जांच भी की जाएगी। ईएमओ के अलावा 10 और स्टॉफ से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है, क्योंकि उन्होंने ईएमओ का सहयोग किया था।

ये भी उठ रहे सवाल पेट दर्द में 35 दिन तक क्यों भर्ती किया गया।

अगर कोई गंभीर समस्या थी तो

विशेषज्ञ को भी क्यों नहीं बुलाया गया।

महिला को जेल से आराम दिलाने के उद्देश्य से ऐसा तो नहीं किया गया।

जेल अधीक्षक ने भी इतने दिनों तक रोगी की सुध क्यों नहीं ली।

महिला बंदी के खिलाफ अनवरगंज थाने में है मामला दर्ज

विचाराधीन महिला बंदी अनुजा अवस्थी पर एससी–एसटी एक्ट के तहत अनवरगंज थाने में मामला दर्ज है। इसके अलावा उस पर धारा 420, 427, 467, 468, 471, 504, 506 के तहत आरोपी बनाया गया है। अखिलेश दुबे के मामले में भी ईएमओ पर आरोप लगे थे। अब डॉक्टर दोबारा नहीं चाहते हैं कि आरोप लगें अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर ने इसके लिए पैसे लिए हैं और वह अपने इस खेल में दूसरे डॉक्टरों को भी जोड़ना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने एक फिजीशियन से भी बातचीत की थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया। सभी डॉक्टरों को डर था कि अखिलेश दुबे को भर्ती करने के मामले में उन पर आरोप लग चुके हैं। अब डॉक्टर दोबारा नहीं चाहते हैं कि आरोप लगें। अगर किसी रोगी की मौत हो रही होगी तो क्या उसे ऐसे ही छोड़ दिया जाएगा। महिला बंदी तेज दर्द के साथ आई थी। ऐसे में उसे भर्ती करना पड़ा था। इसकी जानकारी मैंने बाकी स्टाफ को दे दी थी कि वहां से सूचना चली जाएगी लेकिन नहीं गई।

दीवार फांदी, रस्सियों से बांधा और 25 लाख की लूट, DVR भी ले उड़े लुटेरे, पुलिस के सामने ये सबसे बड़ा सवाल

संवाददाता

कानपुर। घर–घर जाकर लोगों की खुशियों में शरीक होकर मंगलकामनाएं देने वाली मंगलमुखी के ही घर को बदमाशों ने अपना निशाना बना डाला। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के डकारी ग्राम सभा स्थित सावित्री नगर मोहल्ले में गुरुवार आधी रात बेखौफ बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। सीढ़ी के सहारे घर में दाखिल हुए चार नकाबपोश बदमाशों ने असलहों के दम पर मंगलमुखी (किन्नर) और उनके ड्राइवर को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा। इसके बाद घर में रखे 10 लाख रुपये नकद, 100 ग्राम सोने के जेवर और अपाचे बाइक लूटकर फरार हो गए। सीढ़ी लगाकर छत से घुसे, टीन हटाकर अंदर पहुंचे पीड़ित किन्नर वैशाली ने बताया कि वह अपने ड्राइवर मोहम्मद आसिफ के साथ पिछले पांच वर्षों से इस मकान में रह रही हैं। गुरुवार रात करीब दो बजे चार बदमाश घर के पीछे की दीवार पर सीढ़ी लगाकर छत पर चढ़ गए। बदमाशों ने छत पर लगी टीन हटाकर घर के अंदर

प्रवेश किया। अंदर दाखिल होते ही बदमाशों ने तमंचा तान दिया और विरोध करने पर दोनों को रस्सी से बांधकर जमकर पीटा। 10 लाख कैश, 100 ग्राम सोना और बाइक पार; DVR भी उखाड़ा बदमाशों ने घर के कमरों को खंगालते हुए अलमारी में रखे 10 लाख रुपये नकद, 100 ग्राम सोने के जेवर और अपाचे बाइक लूट ली। शातिर बदमाश इतने चालाक थे कि पुलिस के हाथ कोई सुराग न लगे, इसलिए वे घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी उखाड़ ले गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ितों ने किसी तरह खुद को बंधनमुक्त किया और पड़ोसियों की मदद से पुलिस को सूचना दी। एसपी पहुंचे मौके पर, SOG समेत 4 टीमें लगाईं वारदात की सूचना मिलते ही एसपी जयप्रकाश सिंह और सीओ सिटी विनी सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित के साथी किन्नरों ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले एक अन्य किन्नर से उनकी पुरानी दुश्मनी चल रही है और अंदेशा है कि उसी ने भाड़े के बदमाशों से इस वारदात को अंजाम दिलाया है। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता वैशाली की तहरीर पर लूट व मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसपी के निर्देश पर एसओजी समेत पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं, जो संदिग्धों की तलाश में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं।

'सुलगते जख्म : पांच रुपये खर्च करने की सजा, मां ने गर्म चाकू से दागे मासूम के तलवे, कमरे में बंधक बनाकर भी रखा

संवाददाता

फतेहपुर। मां... बोलते ही ममता का सागर उमड़ पड़ता है, लेकिन इस बच्चे के साथ ऐसा नहीं हुआ। वह जितनी बार मां बोलता उतनी ही बार उसके दोनों तलुओं पर मां गर्म चाकू रखकर दाग देती। तलुओं पर पड़े दाग तो मिट जाएंगे पर वह मां की इस रूप को कभी नहीं भूल पाएगा। फतेहपुर जिले में राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी छह वर्षीय मासूम से उसकी मां ने चार अगस्त को 20 रुपये का गुटखा मंगवाया था। बच्चे ने 15 रुपये का गुटखा खरीदा और बचे पांच रुपये से खाने का सामान लेकर खुद खा लिया। गैस चूल्हे पर चाकू गर्म कर दोनों तलवे जला दिए जैसे ही उसने मां को 15 रुपये का गुटखा दिया तभी मां गुस्से से आगबबूला हो गई। उसने बेटे की बेरहमी से पिटाई की और फिर गैस चूल्हे पर चाकू गर्म कर दोनों तलवे जला दिए। इसके बाद बच्चे को कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया। तीन दिन से घर में बंधक बनाकर रखा शुक्रवार को पड़ोसी के बेटे का जन्मदिन था। मां वहीं चली गई। कुछ देर बाद पड़ोसी का बेटा बच्चे को बुलाने पहुंचा तो उसे कमरे से

रोने की आवाज सुनाई दी। बाहर ताला लगा था अंदर से ही उसने पूरी बात पड़ोसी के बेटे को बताई। साथ ही बताया मां ने उसे तीन दिन से घर में बंधक बनाकर रखा है। पड़ोसी मौके पर पहुंचे और ताला खुलवाया उसने फौरन परिजन को जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसी मौके पर पहुंचे और ताला खुलवाया। बच्चे के झुलसे पैर देखकर यूपी–112 पर सूचना दी गई। पुलिस ने बच्चे को जिला अस्पताल पहुंचाकर मेडिकल परीक्षण कराया। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चे के पिता भी इंदौर से घर पहुंचे। मां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज उन्होंने राधानगर थाने में पत्नी के खिलाफ तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी मां के खिलाफ बेटे को जलाने सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आधी रात लुटेरों का आतंक, दंपती पर धारदार हथियारों से हमला, सीसीटीवी उपकरण और बाइक लूटी, जांच शुरू

संवाददाता

कानपुर। कानपुर के भीतरगांव में साढ़ थाना क्षेत्र के देवषङ गांव में शुक्रवार की आधी रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। मुख्य मार्ग से दूर खेतों में बने मकान में रह रहे एक दंपती को अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाया।

बदमाशों ने धारदार हथियारों से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया और घर में लूटपाट के बाद फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद कल्लू (40), अपनी पत्नी शाहजहां (35) और दो साल की मासूम बेटी के साथ गांव से करीब 700 मीटर दूर खेतों में बने मकान में रहते हैं। बीती रात बदमाश पहले मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों का रुख ऊपर की ओर कर दिए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। दंपती पर जानलेवा हमला इसके बाद वे घर के अंदर दाखिल हुए और सो रहे दंपती पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में मोहम्मद कल्लू गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गए, जबकि शाहजहां भी बुरी तरह जख्मी हो गईं। बदमाश जाते–जाते उनकी बाइक और सीसीटीवी का डीवीआर व उपकरण भी साथ ले गए। खून से लथपथ महिला, मासूम को गोद में लेकर मांगती रही मदद घटना के बाद एक हृदयविदारक दृश्य देखने को मिला। गंभीर रूप से घायल शाहजहां अपनी रोती हुई दो साल की बच्ची को गोद में दबाए, अंधेरे में बचाव–बचाव चिल्लाते हुए खेतों के बीच से लगभग 500 मीटर दूर स्थित दूसरे मकान तक पहुंची। वहां उन्होंने ग्रामीणों से मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल, जांच में जुटी पुलिस रात करीब 1:16 बजे सूचना मिलने के महज 10 मिनट के भीतर साढ़ पीआरवी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई और घायलों को बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर स्थिति में हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

चार माह से गुजैनी पुलिया का हो रहा चौड़ीकरण, ग्राहक नहीं आने पर युवक ने दी जान, व्यापारियों में आक्रोश

संवाददाता

कानपुर। कानपुर में गुजैनी पुलिया का चार माह से किए जा रहे चौड़ीकरण एवं मरम्मतीकरण के चलते अनुभव तिवारी (23) की बर्तन की दुकान पर ग्राहक नहीं पहुंच पाए। इससे अवसाद में आए युवक ने शुक्रवार को अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक इंस्टाग्राम इनफ्लुएंसर अंकित तिवारी का चचेरा भाई था। अंकित गुटका खाकर मजाकिया वीडियो बनाने को लेकर चर्चा में आए थे। दबौली निवासी अनुभव तिवारी की गुजैनी पुलिया के पास अंजलि बर्तन भंडार के नाम से दुकान है। अनुभव के माता–पिता का कोविड के दौरान निधन हो चुका है। बहनें अंजलि और रिया प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती हैं। उनका और अंकित का परिवार एक ही घर में रहता है। परिजन के अनुसार अनुभव की जिस जगह दुकान है वहां बीते चार माह से पुलिया के चौड़ीकरण एवं मरम्मतीकरण का काम चल रहा है। इसके चलते अनुभव की बर्तन की दुकान का कामकाज पूरी तरह से ठप पड़ा था। इसे लेकर वह अक्सर अवसाद में रहने लगा। जांच के

बाद की जाएगी कार्रवाई शुक्रवार को अनुभव ने ऊपरी तल पर बने कमरे में जाकर चादर से फंदा बनाकर जान दे दी। दोपहर को ताई ममता ने उसे खाने के लिए नीचे से ही आवाजें दीं तो कोई जवाब नहीं मिला। इस पर वह अनुभव के कमरे में पहुंचीं जहां उसका शव फंदे से लटकता देख चीख पड़ीं। गोविंदनगर इंस्पेक्टर अशोक दुबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। दुकानदार बोले– किराया और दैनिक खर्च तक निकालना मुश्किल अनुभव की मौत की खबर सुनकर गुजैनी पुलिया के पास कारोबार करने वाले लोग सन्न हैं। उन्होंने बताया कि पुलिया निर्माण के चलते करीब चार माह से आसपास की दुकानों पर कामकाज ठप है। दुकान का किराया और दैनिक खर्च तक निकालना मुश्किल हो रहा है। रास्ता बंद होने के चलते ग्राहक इस तरफ न आकर पहले ही मुड़ कर निकल जाते हैं। व्यापारियों ने अनुभव की मौत पर दुख संवेदना व्यक्त करते हुए गुजैनी पुलिया के चौड़ीकरण के काम को जल्द पूरा करने की मांग की। सभी लोग पार्षद अंजलि दीक्षित के मकान में किराये पर दुकान लेकर कारोबार करते हैं। मेरा फुटवियर का काम है। पुलिया निर्माण के चलते धंधा पूरी तरह से चौपट हो गया है। चार महीने से जोड़ी हुई रकम से सारे खर्चे वहन करने पड़ रहे हैं। पुलिया का काम जल्द खत्म होना चाहिए था। अनुभव की मौत का अफसोस है। मेरी भी बर्तन की ही दुकान है। पुलिया मरम्मतीकरण शुरू होने के बाद रास्ता बाधित होने से ग्राहकों की इस तरफ चहलकदमी न के बराबर हो गई है। धंधा मंदा हुआ है। अधिकांश दुकानदार परेशान हैं। कार्य को जल्द समाप्त करना चाहिए था।

ईंधन की कीमतों पर उम्मीद : होर्मुज का जिक्र कर क्या बोले ट्रंप, US और ईरान के बीच समझौते की बात कहां तक पहुंची

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप को उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत जल्द ही किसी समझौते तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और यह टकराव बहुत जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप के इस बयान को होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। दुनिया के सबसे अहम तेल व्यापार मार्गों में शामिल इस समुद्री रास्ते में तनाव कम होने से वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता घट सकती है। इसका असर कच्चे तेल के साथ–साथ गैसोलीन और पेट्रोल की कीमतों पर भी पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। क्या जल्द खत्म हो सकता है ईरान के साथ टकराव? फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने गुरुवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिका–ईरान वार्ता को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें बातचीत में अच्छी प्रगति दिखाई दे रही है और दोनों पक्ष किसी समझौते के करीब पहुंच सकते हैं। ट्रंप ने कहा, श्मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मैं बातचीत में शामिल हूं। मुझे लगता है कि हम ठीक कर रहे हैं, यह जल्द ही हो सकता है। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि ईरान के लिए मौजूदा टकराव को ज्यादा लंबे समय तक जारी रखना आसान नहीं होगा। ईरान के परमाणु हथियार को लेकर क्या है अमेरिका की चिंता? अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की एक बड़ी वजह ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ट्रंप ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा, श्जब मैंने इस्लामिक रिपब्लिक ईरान के साथ यह बहुत अहम पहल शुरू की, तो यह बहुत जरूरी था, क्योंकि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। वरना पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। हम ऐसा

नहीं होने देंगे।श ट्रंप के बयान से साफ है कि बातचीत के बावजूद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी रुख में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। वॉशिंगटन एक तरफ कूटनीतिक रास्ते से तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना को लेकर सख्त रुख बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर क्या है विवाद? अमेरिका–ईरान बातचीत में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे अहम मुद्दों में से एक है। ट्रंप ने माना कि यहां सुरक्षा संबंधी चिंताएं अभी भी बनी हुई हैं, हालांकि बातचीत में कुछ प्रगति हुई है। ट्रंप ने कहा, श्मैं यह नहीं कहना चाहता कि यह एक तरह से खुला है। हमारे पास अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में नाकेबंदी की व्यवस्था है और हम इसे नियंत्रित करते हैं।श उन्होंने समुद्र में संभावित माइन बिछाए जाने के खतरे को लेकर भी चेतावनी दी। ट्रंप के मुताबिक, अगर समुद्री रास्ते में एक भी माइन रह जाती है तो स्थिति गंभीर हो सकती है। अरबों डॉलर के जहाजों को चलाने वाली कंपनियां ऐसे जोखिम के बीच अपने जहाजों को वहां से भेजने में हिचक सकती हैं। होर्मुज इतना महत्वपूर्ण क्यों है? होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला बेहद रणनीतिक समुद्री मार्ग है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले कच्चे तेल और ऊर्जा उत्पादों की बड़ी मात्रा इसी रास्ते से दुनिया के अलग–अलग बाजारों तक पहुंचती है। यही कारण है कि होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी तरह की रुकावट का असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहता। यहां जहाजों की आवाजाही बाधित होने पर वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ जाती है और इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ सकती हैं। दूसरी तरफ, अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो जाता है और होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही सामान्य होती है, तो तेल बाजार में बनी अनिश्चितता कम हो सकती है। क्या अमेरिका–ईरान समझौते से पेट्रोल सस्ता होगा? ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति सामान्य होने से ईंधन की कीमतों में राहत मिल सकती है। दरअसल, तेल की कीमतों पर केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि सप्लाई को लेकर बनी आशंका का भी बड़ा असर होता है। अगर बाजार को भरोसा हो जाए कि होर्मुज से तेल की आवाजाही सुरक्षित तरीके से जारी रहेगी, तो सप्लाई बाधित होने का जोखिम कम होगा। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव घट सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि समझौता होते ही पेट्रोल और गैसोलीन की कीमतें तुरंत गिर जाएंगी। वैश्विक तेल मांग, उत्पादन, अमेरिकी ईंधन बाजार और दूसरे भू–राजनीतिक घटनाक्रम भी कीमतों को प्रभावित करेंगे। अभी क्या है स्थिति? फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और ट्रंप ने इसके जल्द सफल होने की उम्मीद जताई है। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा को लेकर खतरे पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। अगर दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है और समुद्री मार्ग पर तनाव कम होता है, तो इसका असर सिर्फ अमेरिका–ईरान संबंधों पर नहीं पड़ेगा। इससे वैश्विक तेल बाजार को भी राहत मिल सकती है और आगे चलकर ईंधन की कीमतों में नरमी देखने को मिल सकती है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत आखिर किस नतीजे तक पहुंचती है और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्थिति कितनी जल्दी सामान्य होती है।

एक जनवरी, 2027 से कर्ज वसूली के नए नियम, ईएमआई नहीं भरी तो क्या बंद हो जाएगा मोबाइल?

एजेंसी
नई दिल्ली। अगर आपने ईएमआई पर स्मार्टफोन, लैपटॉप या टैबलेट खरीदा है और किसी वजह से किस्त भरने से चूक गए हैं, तो क्या बैंक दूर बैठकर आपका फोन लॉक कर सकता है? इस सवाल को लेकर देश भर के करोड़ों डिजिटल कर्ज लेने वालों के बीच भ्रम और डर की स्थिति बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन वसूली करने वाले रिकवरी एजेंटों की मनमानी को लेकर एक और सख्त फैसला सुनाया है। अगले साल से लागू होने वाले इन नए नियमों में फोन लॉकिंग और टेक्नोलॉजी आधारित बंदिशों के लिए देश का पहला रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार किया गया है। क्या बैंक आपका फोन लॉक कर सकते हैं? हां, लेकिन सिर्फ शर्तों के साथ। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि यदि आपने किसी डिवाइस (फोन, टैबलेट, लैपटॉप) को फाइनेंस कराने के लिए ही लोन लिया है और आप किस्तें नहीं चुकाते, तो बैंक उस डिवाइस को टेक्नोलॉजी के जरिये बंद सकते हैं। लेकिन वे अपनी मर्जी से कभी भी यह डिजिटल ताला नहीं लगा सकते।

शर्त 1 : लोन एग्रीमेंट में स्पष्ट जिक्र होना चाहिए कि डिफॉल्ट की स्थिति में डिवाइस के फीचर्स रोके जा सकते हैं।

शर्त 2 : किस्त न मिलने पर नोटिस भेजने के बावजूद, जब तक लोन खाता 30 दिनों से अधिक समय तक बकाया नहीं हो जाता, तब तक बैंक इस तरह की कोई पाबंदी नहीं लगा सकते।

शर्त 3 : पूर्ण प्रतिबंध केवल तभी

लगाया जा सकता है जब लोन का भुगतान 60 दिनों तक न हुआ हो। 60 दिनों से पहले आउटगोइंग कॉल्स बंद नहीं की जा सकतीं।

फोन लॉक होने पर क्या चालू रहेगा? आपकी इनकमिंग कॉल्स, एसएमएस सेवा या इमरजेंसी एसओएस फीचर्स बंद नहीं होंगे। बैंक या थर्ड पार्टी टेक कंपनियां आपके फोन में मौजूद पर्सनल फोटो, कॉन्टैक्ट्स, मैसेज, कॉल लॉग्स या लोकेशन हिस्ट्री को न तो देख सकती हैं और न ही एक्सेस कर सकती हैं। रिकवरी एजेंटों की गुंडागर्दी पर लगाम रिकवरी एजेंट केवल सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही कॉल कर सकते हैं। लोन की चर्चा केवल कर्जदार या गारंटर से होगी। पड़ोसियों, सहकर्मियों या रिश्तेदारों को फोन करना या उनके सामने सार्वजनिक रूप से अपमानित करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगी। शादी–ब्याह, मेडिकल इमरजेंसी या परिवार में किसी की मृत्यु के समय एजेंट घर नहीं आ सकते। बैंकों को रिकवरी वाली सभी कॉल्स रिकॉर्ड करनी होंगी और उन्हें कम से कम छह महीने तक सुरक्षित रखना होगा। कैसे चालू होगा फोन अगर आप बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं, तो बैंक को एक घंटे के भीतर सभी सेवाएं फिर से चालू करनी होंगी। देरी होने पर ग्राहक को 250 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से हर्जाना देना होगा। इसकी अधिकतम राशि लोन की रकम के बराबर हो सकती है।

मौसम और युद्ध से फिर बढ़ेगी महंगाई? दुनिया में खाद्य कीमतें तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचीं

एजेंसी
नई दिल्ली। खराब मौसम और खाड़ी एवं काला सागर क्षेत्र में युद्ध ने महंगाई के मोर्चे पर दुनियाभर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर खाने–पीने की वस्तुओं की कीमतें जुलाई, 2026 में बढ़कर तीन साल से ज्यादा समय के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। एफएओ का खाद्य मूल्य सूचकांक बीते महीने बढ़कर औसतन 131.1 अंक पहुंच गया, जो जनवरी, 2023 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। जून में यह सूचकांक 130.3 अंक था। संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा, दुनिया को फिर उच्च खाद्य महंगाई का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि ईरान और यूक्रेन युद्ध के साथ अल–नीनो के कारण लागत बढ़ने एवं फसलों की पैदावार घटने जैसे हालात बन रहे हैं। चिंता की बात यह है कि एफएओ का अनाज मूल्य सूचकांक हर महीने 3.4 फीसदी बढ़ रहा है, जिससे खाद्य कीमतों में उछाल आया है। गेहूं में भी 5.8 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसकी वजह काला सागर से निर्यात में रुकावट और मुख्य उत्पादक क्षेत्रों में गर्मी से फसलों का नुकसान होना है, जिसने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। वनस्पति तेल और चीनी में भी तेजी दुनियाभर में वनस्पति तेल और चीनी की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। एफएओ के मुताबिक, वनस्पति तेल सूचकांक जुलाई में दो फीसदी बढ़कर जून, 2022 के बाद के अपने चार साल उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। ईरान युद्ध और बायोडीजल की मजबूत मांग के बीच क्रूड की ऊंची कीमतों ने पाम एवं सोया तेल के दाम बढ़ाए हैं। यूरोप–एशिया में मौसम संबंधी चिंताओं और ब्राजील में इथेनॉल की मांग बढ़ने की उम्मीदों से चीनी के दाम भी 5.6 फीसदी बढ़े हैं। हालांकि, मांस की कीमतों में जून के रिकॉर्ड स्तर से 2.8 फीसदी की गिरावट आई है। आम आदमी की थाली 9: तक महंगी प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस की कीमतों में उछाल से आम आदमी की थाली जुलाई, 2026 में

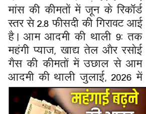

सालाना आधार पर 9 फीसदी तक महंगी हो गई। क्रिसिल इंटेलिजेंस की रोटी–राइस–रेट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते माह शाकाहारी थाली की कीमत करीब चार फीसदी बढ़कर 29.1 रुपये पहुंच गई, जो जुलाई, 2025 में 28.1 रुपये थी। वहीं, मांसाहारी थाली के दाम भी 53.5 रुपये के मुकाबले 9 फीसदी बढ़कर 58.3 रुपये पहुंच गए। मार्च–अप्रैल में महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश के कारण प्याज की फसल को नुकसान हुआ, जिससे इसकी कीमत सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़ गई। खाद्य तेल और रसोई गैस के दाम में भी क्रमशः 11 फीसदी एवं 10 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, आलू और टमाटर की कीमतों में क्रमशः 12 फीसदी एवं दो फीसदी की गिरावट से कुछ राहत जरूरत मिली। मांसाहारी थाली की महंगाई में चिकन की बड़ी भूमिका रही, जिसकी कीमत सालाना आधार पर 14: बढ़ी है। मांसाहारी थाली की कीमतें तय करने में चिकन की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होती है। लगातार दूसरे माह आरबीआई के लक्ष्य से अधिक रहेगी महंगाई खाने–पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल के कारण जुलाई के आंकड़ों में महंगाई और बढ़ने का अनुमान है। 40 अर्थशास्त्रियों के एक सर्वे के मुताबिक, जुलाई में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.50 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है, जो जून में 4.38 फीसदी थी। अगर ऐसा हुआ, तो खुदरा महंगाई लगातार दूसरे महीने आरबीआई के 4 फीसदी के मीडियम–टर्म लक्ष्य से ऊपर रहेगी। खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अगस्त को जारी होंगे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की चीफ इकनॉमिक एडवाइजर कनिका पसरीचा ने कहा, खाने–पीने की चीजों की महंगाई बढ़ रही है, जबकि दूसरी वस्तुओं की कीमतों का दबाव कम बना हुआ है। जुलाई में मानसून की स्थिति बेहतर होने से फसलों को फायदा हुआ है।

ई20 पेट्रोल में गड़बड़ी से तेल कंपनियों का इनकार, जांच और मिलावट की चिंताओं पर क्या कहा ?

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने शुक्रवार को ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर उठी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि देश भर में की गई व्यापक जांच में ईंधन में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण का कोई प्रमाण नहीं मिला है। कंपनियों ने स्पष्ट किया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीएमएस) यानी ई20 की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। तेल कंपनियों ने एक साझा बयान में कहा कि हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मात्रा को लेकर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद पूरे आपूर्ति तंत्र (सप्लाई चेन) में अतिरिक्त और गहन परीक्षण अभियान चलाया गया। जांच के नतीजों में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए। गुणवत्ता का नियंत्रण कितना प्रभावी? कंपनियों ने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है।

ऋषभ पंत ने आधी रात ब्ड धामी से लगाई जमीन दिलाने की गुहार, अब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का आया जवाब

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वजह उनका बल्ला या मैदान पर उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि उत्तराखंड में जमीन लेने को लेकर की गई उनकी अपील और अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जवाब है। पंत फिलहाल श्रीलंका इलेवन के खिलाफ कोलंबो में वार्म अप मैच खेल रहे हैं। शुक्रवार को वह विकेटकीपिंग करते भी नजर आए थे। इसके बाद शुक्रवार आधी रात उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टैग करते हुए राज्य में जमीन दिलाने की गुहार लगाई थी। पंत ने उत्तराखंड में अपना बेस बनाने और अपने राज्य के लिए काम करने की इच्छा जताई थी। उनकी अपील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई थी। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंत की अपील का जवाब देते हुए संबंधित अधिकारियों को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। धामी ने पंत की अपील पर क्या कहा? मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषभ पंत के पोस्ट का जवाब देते हुए उन्हें उत्तराखंड का गौरव बताया। उन्होंने कहा कि पंत ने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों के जरिए देश–दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। धामी ने पंत की अपनी मातृभूमि के प्रति भावनाओं और उत्तराखंड लौटकर योगदान देने की इच्छा की भी सराहना की। धामी ने लिखा, प्रिय ऋषभ, आप उत्तराखण्ड के गौरव हैं। आपने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों से देश–दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। अपनी मातृभूमि के प्रति

आपका यह प्रेम और यहां वापस आकर योगदान देने की भावना अत्यंत सराहनीय है।श उन्होंने आगे कहा, श्आपके द्वारा उठाए गए विषय के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। वे शीघ्र ही आपसे संपर्क कर नियमानुसार हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेंगे। ब्ड धामी से पंत ने की थी खास अपील पंत ने शनिवार रात करीब 12:46 बजे (शनिवार) मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टैग करते हुए लिखा कि वह दिल्ली से अपना बेस उत्तराखंड शिफ्ट करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी जमीन नहीं मिल पा रही है, जहां वह अपना घर बना सकें। उन्होंने खुद को उत्तराखंड का स्थानीय बताते हुए कहा कि वह अपने राज्य से बेहद प्यार करते हैं और वापस अपने पहाड़ी लोगों के बीच जाना चाहते हैं। पंत ने लिखा, श्सर, मैं दिल्ली से अपना बेस उत्तराखंड शिफ्ट करने के लिए जमीन खरीदने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन मुझे ऐसी बड़ी और रहने लायक जगह नहीं मिल पा रही है। मुझे अपना उत्तराखंड बहुत पसंद है। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि जमीन हासिल करने में मेरी मदद करें।श उन्होंने आगे कहा कि वह अपने राज्य के लिए काम करना और उत्तराखंड के विकास में योगदान देना चाहते हैं। पंत के मुताबिक, वह पिछले करीब तीन साल से जमीन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है। गिफ्ट की भी कर दी थी मांग पंत ने इसके बाद एक और पोस्ट किया, जिसने उनकी अपील को और दिलचस्प बना दिया।

शीतल देवी ने संशोधित खेलो इंडिया योजना की सराहना की, कहा– पैरा खेलों में ला सकती है बड़ा बदलाव

एजेंसी
नई दिल्ली। पैरालंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन पैरा–कंपाउंड तीरंदाज शीतल देवी ने संशोधित खेलो इंडिया योजना (केआईएस) की सराहना करते हुए कहा है कि यह भारत में पैरा खेलों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि योजना के जरिए दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को कम उम्र में पहचानकर उन्हें जरूरी प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ के एक दूरदराज गांव से निकलकर विश्व स्तर पर पहचान बनाने वाली 18 वर्षीय शीतल ने कहा कि प्रतिभा की कमी के बजाय अवसरों की कमी अक्सर पैरा खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है। मेरी कहानी अपवाद नहीं होनी चाहिए शीतल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि आज उन्हें जो पहचान और सम्मान मिल रहा है, उसके पीछे वर्षों की मेहनत के साथ अच्छे कोच और सहयोग भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि किश्तवाड़ में रहते हुए वह खुद भी एक ऐसी बच्ची थीं, जिसकी प्रतिभा दुनिया से अनजान थी। उन्होंने कहा, मेरी कहानी सफलता की है, लेकिन किसी दूरदराज गांव में मेरे जैसी क्षमता रखने वाला बच्चा शायद यह भी नहीं जानता हो कि पैरा खेल होते हैं। हमारे बीच अंतर अक्सर अवसर का होता है। शीतल ने कहा कि उन्हें कोच, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और सरकार सहित कई स्तरों से सहयोग मिला, जिसने उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का आत्मविश्वास दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी कहानी अपवाद नहीं होनी चाहिए। पांच साल में 29,054 करोड़ रुपये का प्रावधान शीतल ने केंद्र सरकार की संशोधित खेलो इंडिया योजना का उल्लेख करते हुए कहा

कि इसके तहत पांच साल के लिए 29,054 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिभा की खोज, कोच और सपोर्ट स्टाफ का विकास, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और हाई–परफॉर्मेंस ट्रेनिंग वातावरण तैयार करना जैसे प्रमुख पहलू शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना को सफल बनाने में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी। उनके मुताबिक, केंद्र की योजनाओं को जमीनी स्तर पर वास्तविक नतीजों में बदलने के लिए राज्यों को पूरी तरह इसमें शामिल होना होगा। घर के पास सुविधाएं मिलने से बढ़ेगा भरोसा शीतल ने पैरा खेलों के लिए अकादमियों और प्रशिक्षण केंद्रों को खिलाड़ियों के घर के करीब विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर जाकर कोच या प्रशिक्षण केंद्र तलाशना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, कई प्रतिभाशाली बच्चे गांवों में इसलिए रह जाते हैं क्योंकि सुविधाएं उनके आसपास नहीं होतीं। अगर बच्चों के रहने की जगह के पास गुणवत्तापूर्ण पैरा खेल अकादमियां और प्रशिक्षित कोच उपलब्ध हों, तो परिवार भी उन्हें खेलों में भेजने के लिए अधिक आश्वस्त महसूस करेंगे। कम उम्र में प्रतिभा पहचानने पर जोर शीतल ने कहा कि बड़ी संख्या में पैरा खेलो इंडिया एथलीट्स तैयार करने और इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स की शुरुआत से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर पर ही पहचानने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा की शुरुआती पहचान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

फीफा विश्वकप के दौरान मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी? पुलिस डोजियर में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी
न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 भले ही मैदान पर रोमांचक मुकाबलों और यादगार पलों के लिए जाना गया हो, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी आईं। अर्जेंटीना के कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को कथित तौर पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस डोजियर में दर्ज घटनाओं का हवाला देते हुए सामने आई एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। मेसी को मिली थी बम से उड़ाने की धमकी रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों, अधिकारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की कई धमकियां मिली थीं। इनमें मेसी के खिलाफ मिली धमकियां सबसे गंभीर और विशिष्ट बताई गईं। एक मामले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अधिकारियों को फोन कर कहा कि वह दो अन्य लोगों के साथ डलास के स्टेडियम की ओर जा रहा है। उसके पास कथित तौर पर होममेड बम और ।ॅ–15 राइफल थी। उसने पुलिस अधिकारियों और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाने की

बात कही और विशेष रूप से मेसी का नाम लिया। चार बम लेकर स्टेडियम में घुसूंगा मेसी को लेकर एक और धमकी अर्जेंटीना और मिस्र के बीच सात जुलाई को खेले गए मुकाबले से जुड़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति अटलांटा स्टेडियम में प्रवेश करने वाला है और उसके शरीर पर चार बम बंधे हुए हैं। उस पोस्ट में कथित तौर पर लिखा था, श्मैं अटलांटा स्टेडियम में जाकर अपने शरीर पर बंधे चार बमों से मेसी को उड़ा दूंगा। इस पोस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। स्टेडियम में विस्फोटक विशेषज्ञों, डॉग हैंडलर्स और ह्र–9 यूनिट्स की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। एक अन्य कॉल में स्टेडियम के कूड़ेदानों में तीन बम रखे होने का दावा किया गया था। रोनाल्डो भी रहे सुरक्षा एजेंसियों की नजर में सिर्फ मेसी ही नहीं, पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर भी कई घटनाएं सामने आईं। 14 जून को फीफा के एक कर्मचारी ने अधिकारियों को सूचना दी कि एक व्यक्ति रोनाल्डो के ठहरने की जगह की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद ह्यूस्टन पुलिस ने उस होटल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जहां रोनाल्डो और पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी। टोरंटो में भी एक अन्य व्यक्ति को रोनाल्डो के साथ लिफ्ट में जाने की कोशिश करने के बाद हिरासत में लिया गया। उसने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि वह सिर्फ रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेना चाहता था। रेफरी को मिले 6000 से ज्यादा धमकी भरे मैसेज फ्रांस के रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर भी सुरक्षा खतरों से अछूते नहीं रहे। डोजियर के मुताबिक, उन्हें व्हाट्सऐप पर 6,000 से ज्यादा धमकी भरे संदेश मिले। विश्व कप के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी एफबीआई और आईपीसीसी यानी सेंटर फॉर इंटरनेशनल पुलिस कू–ऑपरेशन के नेतृत्व वाले संयुक्त नेटवर्क ने की।

कुरुक्षेत्र में मीरी–पीरी मेडिकल संस्थान विवाद : SGPC व HSGPC में टकराव की संभावना, भारी पुलिस बल तैनात

एजेंसी
कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। जिला के शाहाबाद स्थित मीरी–पीरी मेडिकल संस्थान में प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद के बीच आज फिर एसजपीसी व एचएसजीपीसी आमने–सामने हो सकती है, जिसके चलते प्रशासन न केवल अलर्ट मोड पर है बल्कि संस्थान में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। एसजपीसी व संस्थान ट्रस्ट चेयरमैन एडवोकेट हरजिंद्र सिंह धामी संस्थान में पहुंच चुके हैं, जहां वे प्रबंधन को लेकर बोर्ड के साथ बैठक करेंगे, जिसके बाद बड़ा फैसला ले सकते हैं। वहीं हरियाणाा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने भी संस्थान में ही कार्यकारिणी बैठक बुलाई हुई है, जिसमें सदस्यों के अलावा अध्यक्ष जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा के भी पहुंचने की उम्मीद है। फिलहाल एडवोकेट हरजिंद्र सिंह धामी पहुंचे हैं, जिन्होने सर्वप्रथम संस्थान का जायजा लिया और नए हालात को जाना। संस्थान में प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद के बीच कानूनी जंग भी जारी है। संस्थान के प्रबंधन को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट हरियाणा कमेटी के हक में फैसला दे चुका है, जिसके चलते गत 27 जुलाई को हरियाणा कमेटी ने प्रबंधन अपने अधीन होने का दावा किया तो वहीं एसजपीसी ने हाइकोर्ट में फिर याचिका दायर की हुई है।

'किसिंग सीन जबरदस्ती...', भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह पर काजल राघवानी का खुलासा; यूजर्स ने अभिनेत्री को किया सपोर्ट

एजेंसी

इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में पवन सिंह, आम्रपाली दुबे, दिनेश लाल यादव जैसे सेलेब्स अपनी जिंदगी की झलक दर्शकों को दिखा रहे हैं। इसी शो के एक प्रोमो में भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी ने पवन सिंह पर बड़ा आरोप लगाया है। इस मुद्दे पर फैंस भी अभिनेत्री को सपोर्ट कर रहे हैं।पवन सिंह पर लगाया बड़ा आरोप रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में एक प्रोमो में अभिनेत्री काजल राघवानी कहती हैं, 'पवन सिंह का तुमको पता ही है। वहां उनका किसिंग सीन हुआ था, जबरदस्ती करवाया था। जबकि मैंने किसिंग सीन के लिए मना किया था तो वो सेट छोड़कर चले गए थे। मैंने सबकी इज्जत की है लेकिन कोई इसके काबिल नहीं है।' इस मामले पर पवन सिंह की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फैंस ने किया काजल को सपोर्ट जब सोशल मीडिया पर यूजर्स ने काजल राघवानी की बात सुनी तो उनको पूरा सपोर्ट किया। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा, 'इतना भी सच नहीं बोलना था।' वह अन्य यूजर ने लिखा, 'सच बोलने के अंदर दम होना चाहिए काजल की तरह।' एक अन्य ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सच बोल रही।' इसी तरह के कमेंट कई फैंस ने किए और काजल के कमेंट सेक्शन में फायर इमोजी शेयर किया। 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्में कर चुकी हैं काजल राघवानी भोजपुरी अभिनत्री काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा जगत का चर्चित नाम हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। इन दिनों वह रियलिटी शो श्भोजपुरी बवालश को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने पवन सिंह, दिनेश लाल यादव और खेसारी लाल यादव जैसे चर्चित भोजुपरी अभिनेताओं के साथ फिल्में की हैं।

'परेशान होने वाली बात थी...', परिवार के बारे में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद बोलीं आकांक्षा चमोला, खोला नया राज

एजेंसी

शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। आकांक्षा चमोला से नाराज है परिवार जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल–जवाब किए थे। यह शो का ही कॉन्सेप्ट था, जिसमें तेजस्वी प्रतियोगी से कई सवाल पूछती हैं। तेजस्वी से बातचीत के दौरान ही आकांक्षा ने कहा, 'जब गौरव खन्ना शो में आए थे तो उन्होंने परिवार के बारे में कुछ ऐसा बताया था जो कि परेशान होने वाली बात थी। तलाक की बात तो परिवार को पता थी। लेकिन लड़कियों की तरफ आकर्षित होने वाली बात को लेकर वे ओके नहीं हैं।' गौरव खन्ना से जल्द होगा तलाक शो से बाहर आने के बाद आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने तलाक वाली बात पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी। जल्द ही वह तलाक के पेपर्स पर साइन कर देंगी। गौरव खन्ना और आकांक्षा की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं, लेकिन अब इनका रिश्ता खत्म होने वाला है।

कर्नाटक में सबसे ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होगी 'टॉक्सिक', जानिए मेकर्स ने क्यों लिया यह फैसला?

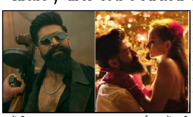

एजेंसी

फिल्म टॉक्सिक को लेकर यश के फैंस के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह फिल्म कर्नाटक में सबसे ज्यादा स्क्रीन्स और शोज के साथ रिलीज होने जा रही है। मेकर्स चाहते हैं कि कर्नाटक में यश की इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी ओपनिंग मिले। सुबह–सुबह भी रखे जाएंगे स्पेशल शोज मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बेंगलुरु में भी पहले दिन सबसे ज्यदा स्क्रीनिंग फिल्म 'टॉक्सिक' के पास होंगी। किसी फिल्म को थिएटर में दिखाने के मामले में यह एक नया बेंचमार्क साबित होगा। यहां तक की फैंस के उत्साह को देखते हुए फिल्म 'टॉक्सिक' के मेकर्स सुबह–सुबह और स्पेशल शोज भी प्लान कर रहे हैं, जिससे राज्य भर के दर्शक पहले दिन से ही बड़ी संख्या में फिल्म देख सकें। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म 'टॉक्सिक' को कर्नाटक में यही दोनों प्रोडक्शन हाउस खुद ही डिस्ट्रीब्यूट कर रहे हैं। फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे फिल्म श्टॉक्सिकश में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के एक्शन अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा। यश फिल्म 'रामायण' में भी आएंगे नजर फिल्म 'टॉक्सिक' में हीरो का लीड रोल निभा रहे अभिनेता यश नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म दिवाली से दो दिन पहले रिलीज होगी। 'रामायण' में यश रावण का रोल निभाएंगे। वहीं भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर और माता सीता के रोल में साई पल्लवी नजर आएंगी।

सनी देओल और प्रीति जिंटा ने की सीएम योगी से मुलाकात, बंटवारा 1947 को लेकर कलाकारों ने कही ये बात

एजेंसी

सनी देओल और प्रीति जिंटा अपनी अपकमिंग फिल्म श्बंटवारा 1947श को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच शुक्रवार को दोनों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। यह मुलाकात सीएम योगी के सरकारी आवास पर हुई। सीएम योगी ने सनी और प्रीति को भगवान की मूर्तियां भेंट कीं और उन्होंने साथ में तस्वीरें भी खिंचवाईं। सीएम योगी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने एक्स हैंडल पर भी शेयर कीं। सीएम योगी ने शेयर की तस्वीरें दोनों कलाकारों की तस्वीरें शेयर करते

हुए सीएम योगी ने लिखा श्आज लखनऊ में सरकारी आवास पर मशहूर फिल्म एक्टर सनी देओल और अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात हुई। कलाकारों ने किया फिल्म का प्रमोशन इससे पहले दिन में, प्रीति और सनी ने लखनऊ में अपनी अपकमिंग फिल्म श्बंटवारा 1947श का प्रमोशन किया था। इस इवेंट में सनी के बेटे करण देओल भी मौजूद थे। कैसे चुना गया टाइटल? फिल्म के बारे में बात करते हुए सनी ने कहा, श्यह फिल्म बंटवारे के समय की एक लव स्टोरी है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे हर किसी को देखना चाहिए। यह एक सार्थक फिल्म है जो जरूरी सीख देती है और हमें इतिहास के एक अहम अध्याय को समझने में मदद करती है। फिल्म देखने के बाद श्बंटवाराश टाइटल चुना गया। हमने तय किया कि कहानी के लिए यह सबसे सही नाम है क्योंकि यह फिल्म में दिखाए गए इमोशन्स, संघर्षों और अनुभवों को सही मायने में दिखाता है। फिल्म में है मजबूत पैगाम प्रीति जिंटा ने कहा, श्हर किसी को यह फिल्म देखनी चाहिए। आपके प्लेटफॉर्म के जरिए हम दर्शकों को इसे देखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहेंगे क्योंकि यह एक शानदार और सार्थक फिल्म है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें एक मजबूत मैसेज है और इसे सभी को देखना चाहिए। फिल्म की स्टारकास्ट राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म बंटवारा 1947 भारत के बंटवारे के समय की कहानी है। इसमें प्यार, त्याग और हिम्मत की कहानी दिखाई गई है। इस फिल्म में सनी देओल और प्रीति जिंटा के अलावा शबाना आजमी, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कई कलाकार हैं। कब रिलीज होगी फिल्म? यह फिल्म लगभग तीन दशकों के बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल को फिर से एक साथ लाती है। इसे आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है। इसके निर्माता आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। बंटवारा 1947 दुनिया भर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त, 2026 को रिलीज होने वाली है।

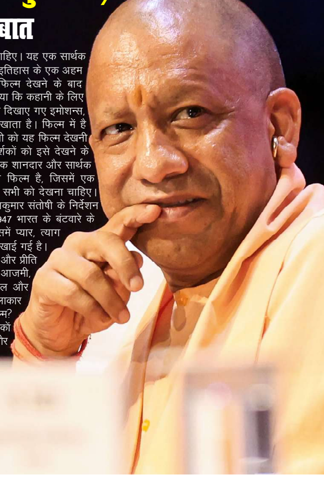

'मुझे उल्लू बनाया गया', 'धमाल 4' पर संजीदा शेख ने किए बड़े खुलासे; कहा- 'कॉमेडी के नाम पर करवा लिया एक्शन'

एजेंसी

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा। 'सीरियस एक्ट्रेस' टैग पर क्या बोलीं संजीदा? 'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके

साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना– मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।' कॉमेडी के साथ किया एक्शन 'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।' 'धमाल 4' के बारे में 'धमाल 4' में रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता भी नजर आए। फिल्म को क्रिटिक्स से ज्यादा अच्छे रिव्यू नहीं मिले, लेकिन दर्शकों ने इसे काफी पसंद किया। फिल्म ने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई।

कौन हैं चार्ली चौहान? एक्ट्रेस ने भारतीय क्रिकेटर रामनदीप सिंह से रचाई शादी; वीडियो हुए वायरल

एजेंसी

चार्ली चौहान और रामनदीप सिंह की शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखते ही फैंस खुश हो गए। चार्ली और रामनदीप पारंपरिक कपड़ों में बेहद खूबसूरत लग रहे थे और उनकी नई जिंदगी की शुरुआत पर फैंस और सेलेब्स ने जमकर बधाइयां दीं। कौन हैं चार्ली चौहान? चार्ली चौहान टीवी इंडस्ट्री का एक जाना–पहचाना नाम हैं। उन्हें 'कैसी ये यारियां', 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' और 'एमटीवी रोडीज' जैसे शोज से पहचान मिली। इनके अलावा चार्ली एमटीवी रोडीज सीजन 7 में बतौर कंटेस्टेंट भी नजर आईं थीं और नच बलिए का भी हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने 'ये है आशिकी 4' में इनारा का किरदार भी निभाया था। इसके अलावा वे कुछ शॉर्ट फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

लिरिसिस्ट भी हैं चार्ली चार्ली एक्टिंग ही नहीं बल्कि राइटिंग में भी रुची रखती हैं और लिरिसिस्ट भी हैं। वो बेपरवाहियां म्यूजिक एल्बम का हिस्सा भी रही हैं। अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस के दम पर उन्होंने मजबूत फैन फॉलोइंग बनाई है।

सादगी भरी खूबसूरत शादी जहां ज्यादातर सेलेब्रिटी शादियां अपने भव्य अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं, वहीं चार्ली चौहान और रामनदीप सिंह ने सादगी और प्राइवेट तरीके से शादी करने का फैसला लिया। यह शादी बहुत ही खास और भावनात्मक रही, जिसमें सिर्फ अपने लोग ही शामिल थे। जय भानुशाली ने शेयर की तस्वीरें यहां तक की कपल ने शादी की कोई तस्वीर अभी तक अपने सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की है। एक्टर जय भानुशाली ने कपल की शादी की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में दोनों मुस्कुराते हुए और शादी की रस्में निभाते दिख रहे हैं। फैंस को उनका ये सादा लेकिन दिल से जुड़ा सेलिब्रेशन बहुत पसंद आया।

आर्य चेतना न्यूज
हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक शरद कुमार मिश्रा द्वारा गायत्री प्रिन्टर्स 548 प/12 बलदेव खेडा मानकनगर लखनऊ से मुद्रित तथा 07 आयुष विहार फेस जानकीपुरम एक्सटेन्सन लखनऊ (उ0प्र0) प्रकाशित।
सम्पादक
शरद कुमार मिश्रा
मो0– 9936177851
Email :- aryachetnanews@gmail.com,
RNI.No.- UPHIN/2019/77630
नोट– सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ जनपद होगा।